

देश के बजट से ज्यादा बड़ा राज्यों का कर्ज



30 प्रतिशत के बीच। 2022-23 में राज्यों का कुल कर्ज देश की जीडीपी का 22.17 प्रतिशत था। उस समय भारत की जीडीपी 2,68,90,473 करोड़ रुपए रही। यानि, राज्यों का कर्ज न केवल उनकी खुद की अर्थव्यवस्था बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी वित्तीय स्थिरता को प्रभावित कर रहा है।

कैग की रिपोर्ट में राज्यों के सार्वजनिक कर्ज को विभिन्न हिस्सों में बांटा गया है। इसमें खुले बाजार से उधारी (सिक्वोरिट्री, ट्रेजरी बिल, बॉन्ड), भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों से ऋण, भारतीय रिजर्व बैंक से वेज एंड मीन्स एडवांस (डब्ल्यूएमए) और वित्तीय संस्थाओं जैसे आइआईसी और नाबाइड से ऋण शामिल हैं। सीजीपी रिपोर्ट बताती है कि राजस्व प्राप्तियों के अनुपात में राज्यों का कर्ज 2014-15 में 128 प्रतिशत से लेकर 2020-21 में 191 प्रतिशत तक रहा। यानि, कई राज्यों ने जितनी कमाई की उससे लगभग दोगुना कर्ज ले लिया। औसतन, सार्वजनिक कर्ज राज्यों की कुल गैर-कर्ज प्राप्तियों का 150 प्रतिशत रहा है। वहीं, कर्ज-से-जीएसडीपी अनुपात 17-25 प्रतिशत के बीच रहा और औसत 20 प्रतिशत बना। कोविड वर्ष 2020-21 में यह अनुपात अचानक 21 से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया, क्योंकि उस समय जीएसडीपी में भारी गिरावट दर्ज की गई।

2020-21 से 2022-23 के बीच कर्ज में वृद्धि का एक बड़ा कारण केंद्र सरकार से मिलने वाले बैंक-टू-बैंक लोन थे। ये लोन जीएसटी मुआवजा घाटे को पूरा करने और पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को विशेष सहायता के तौर पर दिए गए। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि सरकार को उधारी सिर्फ निवेश या पूंजीगत खर्च के लिए करनी चाहिए, न कि राजस्व खर्च (ऑपरेटिंग कॉस्ट) के लिए। लोकन वास्तविकता यह है कि 11 विभिन्न राज्यों

आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, महामेचल प्रदेश, केरल, मिजोरम, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अपने कर्ज का इस्तेमाल वर्तमान खर्च करने के लिए किया। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश में पूंजीगत खर्च कुल गृहधारी का सिर्फ 17 प्रतिशत रहा। पंजाब में यह 26 प्रतिशत और हरियाणा और महामेचल प्रदेश में लगभग 50 प्रतिशत रहा।

सीएजी रिपोर्ट साफ तौर पर इशारा करती है कि यदि राज्यों ने कर्ज का यह असंतुलित इस्तेमाल जारी रखा, तो वित्थय में वे वित्तीय संकट का सामना कर सकनय नैं। उच्च ब्याज दरों के कारण ऋण सेवा का बोझ लगातार बढ़ेगा और विकास परियोजनाओं के लिए पूंजीगत नेवेश की गुंजाइश और कम हो जाएगी। वेशेषज्ञ मानते हैं कि राज्यों को कर्ज के संबंध में सख्ती लाने, राजस्व बढ़ाने के एक उपाय खोजने और कर्ज को उत्पादक क्षेत्रों में लगाने की जरूरत है। गैर-कर राजस्व (जैसे रॉयल्टी, फीस, डिडिबैंडेड) का विस्तार और केंद्र व राज्यों के बीच वित्तीय सहयोग को बेहतर बनाना, ऐसे उपाय हैं जो वित्तीय स्थिरता ला सकते हैं।

▶ **10 पर**

आत्मनिर्भर होने के लिए हमें स्वदेशी अपनाना होगा

नई दिल्ली, 21 सितंबर
(एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नवरात्र शुरू होने से एक दिन पहले राष्ट्र के नाम संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने कल से लागू होने वाले वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) सुधार को लेकर कई अहम बातें कीं। पीएम मोदी ने ऐसे उत्सव बताते हुए स्वदेशी अपनाने की बात पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि अब हम आत्मनिर्भरता के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा जो देश के लोगों की जरूरत है, जो हम देश में बना सकते हैं, वो हमें देश में ही बनाना चाहिए। हम स्वदेशी अपनानेगे तभी हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हो पाएंगे।



सभी राज्य कर्ज में डूबे, केंद्र मना रहा जीएसटी उत्सव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल से लागू होने वाले नेस्फ्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों पर कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में हैं। ये इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवों भवः के मंत्र के साथ देश की समृद्धि और आर्थिक वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह सुधार देश के हर नागरिक के लिए आसानी और लाभकारी होंगे, जिससे मध्यम वर्ग, गरीब, व्यापारी और उपभोक्ता सभी को फायदा मिलेगा।

पीएम मोदी ने यह भी बताया कि पिछले 11 वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को मात दी है और नए मिडिल क्लास समूह ने देश की अर्थव्यवस्था में बढ़ाई भूमिका निभाई है। सरकार ने इस साल 12 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स को शून्य कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग के लिए काफी राहत मिली है। अब जीएसटी में कमी के कारण घर, वाहन और यात्रा पर खर्च कम होगा और नागरिकों के सपनों को पूरा करना आसान होगा। पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी सुधार से कारोबार और निवेश दोनों जीएसटी सुधारों से काफी बढ़ावा प्राप्त होगा। यह बदलाव भारत की ग्रोथ स्टोरी को आगे बढ़ाएगा। इस दौरान उन्होंने याद दिलाया कि 2017 में जीएसटी लागू होने के समय देश में दर्जनों अलग-अलग टैक्स थे, जैसे कि एंटी टैक्स, सेल्स टैक्स, एक्साइज, वैट, सर्विस टैक्स आदि। नए सुधार इन जालों को सरल बनाएंगे और व्यापारियों को राहत देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नए जीएसटी सुधारों से

परीब, मध्यम वर्ग, न्यू मिडिल क्लास, युवा, किसान, महिलाएं, दुकानदार और व्यापारी सभी को लाभ मिलेगा। त्यौहारों के इस मौसम में इस बचत उत्सव से लोगों के चेहरे पर मुस्कान आएगी। होटल, यात्रा, वाहन और सामान की खरीद पर कम जीएसटी होने से आम जनता की जेब पर बोझ कम होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि ये सुधार कल यानी 22 सितंबर, नवरात्रि के पहले दिन सूर्योदय के साथ लागू होंगे। इस सुधार के साथ ही देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू होगा। पीएम ने सभी नागरिकों को इस सुधार के लाभ लेने और खरीदारी को आसान बनाने का संदेश दिया। उन्होंने इसे देश के विकास और आर्थिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री ने जीएसटी की दूरे कम होने से नियम और प्रक्रियाएं और आसान बनाने से हमारे एमएसएमई, हमारे लघु, कुटीर उद्योगों को बहुत फायदा होगा। उनकी बिजली बढ़ेगी और टैक्स भी कम देना पड़ेगा। यानी उनको भी डबल फायदा होगा। इसलिए आज मेरी एमएसएमई से, चाहे लघु हों या सूक्ष्म या कुटीर, आप सबसे बहुत अपेक्षाएं हैं। आपको भी पता है कि जब भारत समृद्धि के शिखर पर था, तब अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हमारे लघु-कुटीर उद्योग थे। भारत की मैनुफैक्चरिंग और कालिटी बेहतर होती थी। हमें उस गौरव को वापस पाना है। जो हमारे उद्योग बनाएं वो दुनिया में उत्तम से उत्तम हों। जो हम बनाएं वो दुनिया में बेस्ट के पैरामीटर को पार करने वाला हों। हमारे उत्पाद दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाएं।

पटना, 21 सितंबर
(एजेंसियां)।

बिहार अधिकार यात्रा के दौरान वैशाली में प्रधानमंत्री की मां को अपशब्द कहे जाने के मामले ने सियासत गर्मा दी है। इस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बड़े भाई और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

तेज प्रताप यादव ने कहा, मैंने पहले भी कहा है और आज फिर कहता हूँ कि मां किसी की भी हो, मां होती है और वह पूजनीय है। मां अपनी संतान को जन्म



देती है और नौ महीने गर्भ में रखती है। उसका अपमान अस्वीकार्य है।
तेज प्रताप ने चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों ने प्रधानमंत्री की मां को गाली दी है या

अपमानजनक शब्द कहे हैं। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। तेज प्रताप यादव ने चेतावनी दी कि अगर दोषियों को जेल नहीं भेजा गया तो वे राजनीति में ऐसे-ऐसे निकृष्ट आचरणों की बढ़ रहे चलन के खिलाफ व्यापक आंदोलन करेंगे।

तेज प्रताप ने कहा कि जनशक्ति जनता दल महुआ में आंदोलन की शुरुआत करेगा और सरकार से मांग करेगा कि मां शब्द का अपमान करने वाले को बख्शा न जाए।

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 30 सितंबर तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया है। यह प्रक्रिया अक्टूबर-नवंबर से शुरू हो सकती है। आयोग का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से विदेशी घुसपैठियों को हटाना और पारदर्शिता बढ़ाना है।

इस महीने की शुरुआत में हुई मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने 10 से 15 दिन में एसआईआर लागू करने के लिए तैयार रहने की कहा था। हालांकि अब स्पष्ट डेटाइन तय करते हुए 30 सितंबर को अंतिम तारीख घोषित किया गया है। सभी राज्यों को पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूचियां तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

हाईकॉर्ट ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद की मतदाता सूची पहले ही वेबसाइट पर डाल दी है। दिल्ली



के सीईओ की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची मौजूद है, जब राजधानी में आखिरी बार एसआईआर हुई थी। उत्तराखंड में 2006 की मतदाता सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है। बिहार में 2003 की सूची को गहन पुनरीक्षण के आधार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

एसआईआर से जुड़ी तैयारी 30 तक पूरी हों

अधिकांश राज्यों ने 2002 से 2004 के बीच एसआईआर कार्रवाई की। अब वहां वर्तमान मतदाताओं को उन पुरानी सूचियों से मिलान करने का काम लगभग पूरा हो चुका है। चुनाव आयोग का कहना है कि बिहार के बाद यह प्रक्रिया पूरे देश में लागू की जाएगी।

गौरतलब है कि 2026 में असम, केरल, पडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया इन चुनावों से पहले मतदाता सूची की सटीकता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिहाज से अहम मानी जा रही है। चुनाव आयोग का कहना है कि गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से विदेशी घुसपैठियों को हटाना है। इसके लिए मतदाताओं के जन्मस्थान की जांच की जाएगी। यह कदम उस समय और भी अहम हो जाता है जब कई राज्यों में बांग्लादेशी और म्यांमार से आए अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई की जा रही है।

हैदराबाद केंद्रीय विवि छात्र संघ चुनाव में बना इतिहास

छात्र संघ के सभी पदों पर एबीवीपी की जीत

हैदराबाद, 21 सितंबर
(एजेंसियां)।

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) के छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव, खेल सचिव और सांस्कृतिक सचिव सहित सभी प्रमुख पदों पर कब्जा जमा लिया। नेपाल और बांग्लादेश की तरह भारत में भी जैन-जेड क्रांति की भांति रखने वाले विपक्ष के लिए यह कारा संदेश है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के बाद हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) के आनुषांगिक संगठन एबीवीपी ने छात्र संघ पर पूरा कब्जा जमा लिया है। यह अखिला भारतीय विद्यार्थी परिषद की बढ़ती साख का परिणाम है। इस जीत के साथ ही एबीवीपी ने पिछले एक साल में देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में अपनी नज़र पटन उपस्थिति दर्ज की है। इनमें जयन्ता विश्वविद्यालय, पंजाब विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (गुवागट्टी), दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनएचटी विश्वविद्यालय और उत्तराखण्ड के कई विश्वविद्यालय शामिल हैं।

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी
छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी

हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव



प्रत्याशी शिवा पालेपू अध्यक्ष
चने गए। उपाध्यक्ष पद के लिए
देवेन्द्र ने जीत दर्ज की। श्रुति प्रिया
महासचिव चनी गई हैं। संयुक्त

सचिव का पद सौरभ शुक्ला ने जीता। ज्वाला प्रसाद खेल सचिव चुने गए और वीनस सांस्कृतिक

देश के सभी
प्रमुख
विश्वविद्यालयों में
एबीवीपी कर रही
कमाल

सचिव के पद पर चुनी गई। ये सभी एबीवीपी के प्रत्याशी हैं। छात्र संघ चुनाव में न केवल पदाधिकारी, बल्कि काउंसलर

और बोर्ड सदस्य के पदों पर भी एबीवीपी ने बहुमत हासिल किया है। हैदराबाद में लुईसियसिटी के छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी ने सभी सीटों पर जीत हासिल कर एक बार फिर अपनी संगठनात्मक ताकत और छात्रों के बीच लोकप्रियता का परिचय दिया। इस जीत को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने छात्र हित और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। एबीवीपी के स्थानीय नेताओं ने कहा कि यह जीत छात्रों के विश्वास को दर्शाती है। हम शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर काम करने के

▶ 10 पर



जीतो क्राफ्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप का धमाकेदार आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बहुप्रतीक्षित जीतो क्राफ्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ हुआ, जिसमें खेल के महत्व को उजागर किया गया जो टीम वर्क, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई, जिससे आयोजन के लिए सकारात्मक माहौल तैयार हुआ। इसके बाद दीप प्रज्वलित मुख्य अतिथि, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियन और मेजर ध्यानचंद अवार्डी तृप्ति मुरुगुंडे, जीतो एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्चावत, एपेक्स निदेशक और डीआईसी श्रमण आरोग्यम भेरुमल भंडारी, केकेजी जेन के मुख्य सचिव दिलीप जैन, जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लुनिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, संयोजक चेतन बोहरा, सह-संयोजक श्रेयांश राखेचा, खेल



टीम के सदस्य रौनक गुलेच्छा, महावीर कानूंगा और टीना खांटोडे ने किया।

चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने मुख्य अतिथि, जीतो के गणमान्य व्यक्तियों, सदस्यों, खिलाड़ियों और प्रतिभागियों का इस मेगा बैडमिंटन चैंपियनशिप में स्वागत किया, जो हर साल जीतो द्वारा युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और पहचानने के लिए आयोजित किया जाता है जो

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। केकेजी जेन के मुख्य सचिव दिलीप जैन ने प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसके बाद जीतो के एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्चावत ने कहा कि जीतना और हारना किसी भी खेल आयोजन का हिस्सा है, सच्ची खेल भावना के साथ खेलें। आयोजन का मुख्य आकर्षण मुख्य अतिथि तृप्ति मुरुगुंडे का ऊर्जावान संबोधन था, जिसमें

नशा मुक्त युवा समित कार्यक्रम का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अनुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा निर्देशित विकासशील भारत के लिए नशा मुक्त युवा समित कार्यक्रम शनिवार को अनुव्रत समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री डॉ पुलकित कुमारजी नचिकेता, मुनि श्री आदित्य कुमार जी के साध्विध में गांधीनगर सभाभवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समिति सहमंत्री सुरेश चावत एवं उनकी टीम के द्वारा अनुव्रत गीत मंगलाचरण से की गई। तत्पश्चात

समिति अध्यक्ष ललित बाबेल ने सभी आगंतुक सदस्यों का स्वागत अभिनंदन करते हुए नशे से दूर रहना क्यों जरूरी है, के बारे में एक मार्मिक कथा के द्वारा लोगों को नशामुक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अतिथि पूर्व पार्षद शिवकुमार ने अपने विचारों में नशे की आदत से दूर रहना ही स्वस्थ जीवन का आधार बताया एवं प्रायोजक परिवार से ललितकुमार नरेंद्र कुमार भरत कुमार मांडोत से सम्पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

मुनि श्री ने सभी को नशा मुक्ति

के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समिति सलाहकार कन्हैयालाल चिप्पड़, माणकचन्द बालडोटा, पूर्व अध्यक्ष रामलाल गन्ना, समिति उपाध्यक्ष बी वी चंद्रशेखरय्या, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, कार्यक्रम संयोजिका कविता जैन एवं सहसंयोजक सुरेश चावत, समिति सदस्य, महिला मंडल सदस्य, सभा सदस्य एवं अनेक श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं आधार ज्ञापन समिति मंत्री लाभेश कासवा ने किया।

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को आचार्य सम्राट शिवमुनिजी की 84वीं जन्म जयंती मनाई गई। गुरुदेव ने फरमाया कि एक शिष्य ने गुरुदेव से इस भव में जल्द से जल्द कल्याण हो का रास्ता पूछा। सभी कल्याण के इच्छुक हैं, सभी अपना भला चाहते हैं। शिष्य ने गुरुदेव से सरल रास्ता बताने का आग्रह किया। जिसके बाद गुरुदेव ने कहा कि संसार में कल्याण चाहिए तो किसी का अवगुण नहीं गुण देखना।

कलपुर्गा सिर्फ नाम है। इसमें महापुरुषों को नमन, स्मरण करने मात्र से जीवन का कल्याण संभव है। मनुष्य में अगर धैर्य और सहनशक्ति ना हो तो ज्ञान आना संभव नहीं है। अगर समय नहीं दिया तो कुछ हासिल नहीं होगा। कुछ भी करना है तो समय देना ही होगा। रोज रोज कहीं जाने से



इज्जत नहीं रहती है। मनुष्य कितना भी अभिमानी क्यों न हो, लेकिन समय पर समझना नहीं तो वह भी बेकार है। संतों की सेवा में लगने वाले का जीवन सफल हो जाता है। साधु संतों की संगत से मनुष्य का शोक खत्म होता है। जिस प्रकार दवा लेने से बीमारी दूर होती है। उसी प्रकार से गुरु का गुणगान करने से मनुष्य का पाप खत्म हो जाता है। ऐसे ही महापुरुष आचार्य शिवमुनिजी की जन्म जयंती मना रहे हैं। वह ज्ञानी, योगी, विद्वान थे। उनकी वाणी में मधुरता थी। वाणी में मधुरता वाला मनुष्य महान बनता है। ऐसा मनुष्य सभी के लिए प्रिय होता है। ऐसे मनुष्य

को बुरा अच्छा नहीं लगता है। सभी से प्रिय बोलने वाला सभी का प्रिय होता है। किसी को गलत नहीं बोलना चाहिए। किसी की बुराई कभी नहीं करनी चाहिए। जैसे बिना गुरु के पूछे शिष्य एक शब्द नहीं बोलता है, वैसे ही मनुष्य को किसी के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। प्रिय हो या अप्रिय हो, अगर गुरु कुछ कहें तो उसको सुनना चाहिए। चतुराई बहुत उंची होती है। कब बोलना, क्यों बोलना और कितना बोलना समझना ही चतुराई होती है। बिना मतलब के कहीं भी कुछ भी बोलने वालों को इज्जत नहीं मिलती है। वाणी में मधुरता, आंख

में निर्मलता, मन में गंदगी नहीं रखना और व्यवहार में कुशलता रखने वाला अपने अनमोल भव को पार कर लेता है। जिसकी वाणी में मधुरता होती है उसके सभी अपने होते हैं। जिसका आंख निर्मल होता है उसको सब अच्छा ही दिखता है। मन में गंदगी नहीं रखने वाले के लिए सब अच्छा ही होता है। व्यवहार में कुशलता रखने वाला जीवन को जीत लेता है। जिस मनुष्य में ऐसे गुण हैं वह जीवन में सफल हो जाता है। सच्चे संतों की यही चार खूबी होती है। इस खूबी की वजह से ही संत अच्छे मार्ग पर चलते हैं। संतों के लिए अमीर, गरीब, राजा रंक कुछ

नहीं होता है। संत के लिए सभी एक समान होते हैं। वे किसी के साथ भी भेदभाव नहीं करते हैं। ऐसे ही महान और विद्वान संत शिवमुनिजी थे। वे बहुत ही तपस्वी थे। उन्होंने सभी को एक समान समझा। किसी के साथ भी भेदभाव नहीं किया।

उनका जन्म पंजाब में हुआ था। पांच नंदिया वहां है इसलिए उसको पंजाब कहते हैं। शिवमुनिजी का चेहरा आज भी वैसा ही है जैसा पहले था।

वैसे ही चमकता रहता है। उन्होंने अपने जीवन में तप त्याग किया और लोगों को भी उसी मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उनके जीवन में हर चीज सिखने जैसी है। उनके जीवन का अनुसरण करने मात्र से जीवन का बदलाव संभव है। उन्होंने संयम के मार्ग पर चल कर अपने जीवन का कल्याण कर लिया। अगर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे तो निश्चित ही जीवन सफल हो जाएगा। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

गौ सेवा एवं पूजा का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मायूस बेंगलूरु द्वारा कोरमंगला गौशाला में गौ सेवा एवं पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत गौ माता की पूजा और आरती के साथ हुई। इसके पश्चात सदस्यों ने मिलकर गे सेना की और गावों को ही घास, चारा, गुड़ व खीरा खिलाया। वातावरण भक्ति और सेवा भाव से सराबोर हो उठा। इस आयोजन में संयोजक अशोक अग्रवाल और अमित यादुका ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनकी लगन और समर्पण से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसके लिए सभी सदस्यों ने उनकी प्रशंसा

की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मायूस बेंगलूरु के सदस्य अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। विशेषकर बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था, जिन्होंने पूरे जोश और उमंग के साथ गौ सेवा में भाग लिया। इस मौके पर उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, सचिव सनी जैन, प्रांत उपाध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य पवन राजलीवाल, जयेश पोद्दार, विनोद गिरा, विशाल धनुका, आशु मिश्र, वैभव खंडेलवाल, करण राजपुरोहित, गौरव सिंघल एवं प्रियंशु जैन सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सही दृष्टिकोण वाला व्यक्ति और साधक होता है साहसी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंद्रुप्रभा जी ने कहा कि सही दृष्टिकोण वाला व्यक्ति और साधक साहसी होता है। उसकी वाणी और व्यवहार का प्रभाव पड़ता है। आचार्य भूधर जी जब नागौर पधारे तो उस समय नागौर के सभी 84 उपाश्रय पर यतियों का आधिपत्य था। कोई जैन संत नगर में नहीं आ सकता था। ऐसे वातावरण में मुनि जयमल जी ने अपनी साधना से वहां की जनता को सत्य से परिचय कराया और यतियों के भय से मुक्त कराया। देव गुरु और धर्म पर श्रद्धा ऐसी बढ़ी कि वहां पर नवरात्रि पर होने वाली बलि हिंसा भी रुकी और तत्कालीन महाराजा भगतसिंह जी ने आजीवन शिकार भी छोड़ दिया। इससे पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि आनंद प्रत्येक आत्मा का स्वभाव है। हर परिस्थिति में हम सम रहें। सुख नहीं रहा तो दुख भी जाएगा। प्रभु की वाणी पर श्रद्धा रखें कि सुख दुख के जिम्मेदार हमारे ही कर्म हैं। श्रद्धा से चमत्कार हो जाते हैं। हमेशा सभी के प्रति मैत्री भाव रखें और संतुष्ट रहें। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए संघ को आगामी जाति गणना के विषय सूची की जानकारी दी और धर्म तथा जाति के कॉलम में जैन लिखने का कहा। प्रवचन सभा में उपस्थित मैसूर संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार दर्दा का अलसूर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

पन्चान्हिका महोत्सव दादा गुरुदेव महापूजन के साथ सम्पन्न



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चम्पाश्रीजी की पुण्य तिथि एवं सुलक्षणश्रीजी के आत्म श्रेयार्थ पंचादिका महा महोत्सव मुमिराज श्री मलयप्रभासगरजी एवं श्री हर्षणाश्रीजी की निशा में दादा गुरुदेव महापूजन के साथ सम्पन्न हुआ। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि दादा गुरुदेव महापूजन एक विशेष अनुष्ठान है जिसमें चारों दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरि, मणिधारी श्री जिनचन्द्र सूरि, श्री जिनकुशल सूरि और श्री जिनचन्द्र सूरि के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की गई। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि यह एक भक्तिमय कार्यक्रम है जिसमें श्रद्धालु गुरुदेवों के गुणों का स्मरण करते हुए विशेष मंत्रों और पूजा पद्धतियों से उनकी आराधना करते हैं और उनसे

आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि पूजा के दौरान विशेष मंत्रों और स्तुतियों का पाठ किया जाता है जो आध्यात्मिक शक्ति और शांति प्रदान करते हैं। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि गुरुदेव के महापूजन और शांति कलश का लाभ विक्रम गुरुजी के मार्गदर्शन में हुए विधि-विधान के साथ संघवी ललितदादेवी पुलरराज, राजेशकुमार प्रवीणकुमार, रोमिलकुमार पावलेचा शाह परिवार मोकलसर निवासी ने लिया।

इस अवसर पर स्वामी वात्सल्य आयोजित किया गया जिसमें श्री जिनदत्त कुशल सूरि जैन सेवा एवं संगीत मंडल तथा अखिल भारतीय खरतरारच्छ महिला परिषद् ने अपनी सेवाएं प्रदान की। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

भगवान पार्श्वनाथ संसार की उच्चतम श्रद्धा के केन्द्र बिन्दु: साध्वी भव्यगुणा

दावणगरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कालसर्प दोष निवारण पूजन के अंतर्गत धर्म सभा को कालसर्प दोष के विषय पर समझाते हुए कहा कि भगवान पार्श्वनाथ संसार की उच्चतम श्रद्धा केन्द्र बिन्दु है जिसके नाम स्मरण से संसार की आधि-व्याधि और उपाधि दूर हो जाती है। प्रभुजी का आदेश नाम कर्म अत्यंत तीव्र एवं शक्तिशाली फल हैं। भगवान पार्श्वनाथ एवं नेमिनाथ भगवान की आराधना से काल सर्प योग का निवारण होता है एवं राहु केतु के प्रभाव एवं दोष दूर होते हैं अतः प्रभु की आराधना करने से निश्चित काल सर्प दोष का निवारण होता है।

साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि प्रभु अच्छे लगे, सुंदर लगे, लेकिन क्या वे मेरे लगे हैं? श्रेणिक, सुलसा, मयणा, मीराबाई, सूरदास, शबरी आदि भक्तों को प्रभु मेरे लगे थे, इसलिए वे प्रभुमय बन सके। वृक्ष वही



सुरक्षित है जो जड़ से बंधा हो, पतंग वही आकाश में टिकती है जो डोर से बंधी हो और बच्चा वही सुरक्षित है जो मां की उंगली पकड़कर चलता है। उसी प्रकार आत्मा भी वही सुरक्षित है जो प्रभु की आज्ञा से बंधी रहे। उन्होंने कहा कि संपत्ति लोकर में, आभूषण तिजोरी में और मछली पानी में सुरक्षित रहती है, वैसे ही प्रभुभक्त प्रभु के चरणों में सुरक्षित रहता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रभु का भाव से शरण लेना चाहिए। पैसा केवल सामग्री देता है, पुण्य सुरक्षा देता है, लेकिन परमात्मा सम्मति, सद्गति और सिद्धिगति प्रदान करते हैं। प्रभु की

आज्ञा के पालन से ही शुभध्यान, शुद्ध ध्यान और शुक्ल ध्यान प्रकट होता है। अंबालाल शाह ने बताया कि प्रभुभक्तों ने पुष्प, धूप, दीपक, अक्षत, नैवेद्य और फल अर्पित कर सामूहिक आरती एवं मंगलदीप किया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती का लाभ आकाश अशोक कुमार कटारिया बेंगलूरु, मंगल दीपक मुकेश कुमार मुथा चित्रदुर्ग, गुरुदेव की आरती महावीर कुमार वतावरमल संचेती ने लिया। नेरल महाराष्ट्र से पधारे शंखेश कुमार गादिद्या, सीमा गादिद्या का बहुमान शंघ से आनंद कुमार, भावेश संचवी, बबिता बंदामुथा ने किया।

सम्राट शिवमुनिजी की 84वीं जन्म जयंती मनाई

कब बोलना, क्यों बोलना और कितना बोलना समझना ही चतुराई : संतश्री ज्ञानमुनिजी



भगवान अग्रसेन जी का जीवन चरित्र जीवन में धारण करें



अग्रवाल समाज भारत की सभ्यता एवं संस्कृति का केन्द्र बिन्दु रहा है। विश्व में न जाने कितनी सभ्यताएं और संस्कृतियां पनपी और काल के गाल में समा गईं, किन्तु अग्रवाल समाज आज भी बड़े ही गर्व के साथ अपनी दान-धर्म परोपकार की परम्पराओं के साथ-साथ ईमानदारी और कर्मठता के कारण साहित्य, शिक्षा, धर्म, ज्ञान-विज्ञान, राजनिति, उद्योग कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं जो इस समाज के योगदान से महिमान्वित न हुआ हो, सभी धर्मों को अपना समाज मानते हुए अपनी श्रद्धा और सम्मान के अलावा अपने ठोस योगदान के साथ हर समय तैयार रहता है। लाला लाजपतराय, जमनालाल बजाज, दानवीर भामाशाह, वैश्य शिरोमणि महात्मा गांधी, भाई हनुमानजी प्रसाद पौद्दार, डॉ. रघुवीर, जयदयाल गोंडन्का, राममनोहर लोहिया, सर गंगाराम आदि विभूति इसी समाज की ही देन हैं। वर्तमान में फोर्ब्स पत्रिका न्यूयार्क अमेरिका ने संसार के सबसे धनी व्यक्तियों की सूची जारी की उसमें भी अग्रवाल समाज के श्री

लक्ष्मीनिवास मित्तल को प्रथम स्थान मिला है। इसके अलावा इसी समाज के सुनील मित्तल (ऐयरटेल भारती समूह), नवीन जिन्दल, राहुल बजाज, सुभाष गोयल, नरोत्तम सेक्सरिया आदि भी इसी कड़ी में अपने-अपने उद्योग क्षेत्रों में राष्ट्र के नवनिर्माण में अपना योगदान देते हुए बुलन्दियों के झण्डे गाड़े हुए हैं। हमें हमारे समाज और हमारे पूर्वजों पर गर्व है। अग्रवाल का अर्थ है आगे रहने वाला, सबका नेतृत्व करने वाला जो कि हमारे पूर्वजों ने किया, किन्तु वर्तमान में आधुनिकता और पाश्चात्य की चकाचौध, स्वार्थपरक नीति, व्यस्त जीवन प्रणाली में हम कुछ गुमराह से हो रहे हैं, सोच का दायरा अपने तक सिक्कड़ कर सिमित रह गया है, सबको साथ लेकर चलने की सदासयता विलुप्त सी हो रही है। आवश्यकता से अधिक



अनिरुद्ध गुप्ता
अध्यक्ष, अग्रवाल समाज
तेलंगाना

कमाए गए धन के घमण्डी धनाढ्य लोग अपने वैभव और समृद्धि का नगां नाच नाचते नजर आते हैं, शिक्षा के नाम पर स्कारों का हनन हो रहा है, परम्पराएँ समाज से लुप्त होती जा रही हैं, समाज तो समाज परिवार सिक्कड़ते जा रहे हैं, महाराजा अग्रसेन की मान्यताओं की ध्वजीया उड़ाने में हम सभी में दौड़ लगी हुई है। अग्रवाल समाज का लक्ष्य क्या था और हम आज कहाँ जा रहे हैं? जरा चिन्तन करें। आज महाराजा अग्रसेन कि जयंती हैं, अग्रवाल समाज पुरे देश में अपने-अपने स्थानीय स्तर पर अग्रसेन जयंती का आयोजन करता है, इन आयोजनों की भव्यता और विशालता से इन्कार नहीं किया जा सकता, पुरखों कि स्मृति को जीवन्त रखने हेतु जयंतीयाँ हमारे दायित्व के साथ-साथ एक माध्यम हैं। लेकिन प्रश्न है कि इन जयंतीयाँ से क्या हम महाराजा अग्रसेन के नियम और उद्देश्यों को पुरा करा पाते हैं, महाराजा अग्रसेन के जीवन उसके आदर्श उसके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से समाज को कहाँ तक परिचित करा पाते हैं। मेरी सोच में आज हम महाराजा अग्रसेन के सिद्धान्तों से भटक रहे हैं। यदि हमें महाराजा अग्रसेन के अनुयायी कहलाना है तो, आइये ! हम महाराजा अग्रसेन जयंती पर एक बार पुनः सच्चे मन से उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लें, हम सब एक नयी सामाजिक क्रान्ति को जन्म देने कि तैयारी करें, समाज बन्धुवों में परस्पर घनिष्ठता एवं सहयोग कि भावना बढ़ाते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों व बुराइयों को दूर करने के लिए संगठित होकर कार्य करने और अपनी एकता का परिचय देकर हर समय प्रयत्नशील रहें, हमारा अग्रवाल समाज नित नवल ज्योत्सना की सुधा से सर-तेवार हो। यदि हम अपने को अग्रसेन की सन्तान मानते हैं तो हमें भी अपने को प्रमाणित करना पड़ेगा, उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर स्वयं के जीवन को अग्रमय बनाने का संकल्प लेना होगा, यही उस युग पुरुष को सच्ची श्रद्धाजंली होगी और जयंती कि सार्थकता होगी।



महाराजा अग्रसेन जयंती

समाजवाद और त्याग का प्रतीक

हर साल, महाराजा अग्रसेन की जयंती पूरे भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। यह पर्व सिर्फ एक ऐतिहासिक व्यक्ति को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि उनके सिद्धांतों, विशेषकर समाजवाद और त्याग के मूल्यों को आत्मसात करने का भी एक अवसर है। महाराजा अग्रसेन एक महान राजा, एक दूरदर्शी नेता और समाज के सच्चे सेवक थे, जिन्होंने अपने राज्य में समृद्धि और समानता लाने के लिए अथक प्रयास किए।

एक-ईट-एक-रुपया: समाजवाद का अनुपम सिद्धांत

महाराजा अग्रसेन ने अपने राज्य, जिसे उन्होंने अग्रोहा नाम दिया था, की स्थापना की। उन्होंने अपने राज्य में प्रत्येक नागरिक की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए 'एक-ईट-एक-रुपया' का अनूठा सिद्धांत लागू किया। जब कोई व्यक्ति अग्रोहा में बसने आता था, तो राज्य का प्रत्येक नागरिक उसे एक रुपया और एक ईट भेंट करता था। इससे नए बसने वाले व्यक्ति के पास अपना घर बनाने और व्यवसाय शुरू करने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हो जाते थे। यह सिद्धांत न केवल समाज में आर्थिक समानता को बढ़ावा देता था, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता था कि कोई भी व्यक्ति गरीबी में न रहे।

लोकतंत्र और कर प्रणाली में सुधार
महाराजा अग्रसेन अपने समय से

बहुत आगे थे। उन्होंने एक ऐसी कर प्रणाली की स्थापना की, जो प्रजा पर बोझ नहीं डालती थी। उन्होंने एक ऐसे शासन की नींव रखी, जिसमें प्रजा की भलाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। वे एक सच्चे लोकतंत्र में विश्वास रखते थे और उन्होंने अपने मंत्रियों के साथ मिलकर सभी निर्णय लिए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हर फैसला जनता के हित में हो।

आधुनिक भारत के लिए प्रेरणा

आज भी, महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत हमें प्रेरित करते हैं। उनका 'एक-ईट-एक-रुपया' का सिद्धांत आधुनिक समय में सामुदायिक सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा उदाहरण है।



प्रमोद केडिया
अध्यक्ष अग्रसेन बैंक एवं अध्यक्ष
अग्रवाल शिक्षा समिति

और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा उदाहरण है। उनकी जयंती हमें याद दिलाती है कि एक मजबूत और समृद्ध समाज का निर्माण केवल तभी संभव है जब हम सभी एक-दूसरे का समर्थन करें और मिलजुलकर काम करें। यह हमें सिखाता है कि धन का सही उपयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज की

भलाई के लिए होना चाहिए। महाराजा अग्रसेन एक राजा से कहीं बढ़कर थे; वे एक दार्शनिक और समाज सुधारक थे, जिनकी शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं। उनकी जयंती मनाकर हम उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में काम करते हैं जो समानता, करुणा और साझा समृद्धि पर आधारित हो।

विश्व बंधुत्व के प्रतीक है महाराजा अग्रसेन

महाराजा अग्रसेन अग्रवाल जाति के पितामह थे। वे समाजवाद के प्रवर्तक, युग पुरुष, रामराज्य के समर्थक एवं महादानी थे। महाराजा अग्रसेन उन महान विभूतियों में से थे जो सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय: कृत्यों द्वारा युगों-युगों तक अमर रहेंगे। महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवालो के कुल प्रवर्तक ही नहीं थे अपितु महान लोकनायक, अर्थनायक, सच्चे पथ प्रदर्शक एवं विश्व बन्धुत्व के प्रतीक थे। युग पुरुष महाराजा अग्रसेन ने उनमें अलौकिक साहस, अविचल दृढ़ता गम्भीरता, अद्भुत सहनशिलता दुरदर्शिता,



विस्तृत दृष्टिकोण गुण विद्यमान थे। इनका जन्म मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की चौतीसवी पीढ़ी में सूर्यवंशी क्षत्रिय कुल के महाराजा बल्लभसेन के घर में द्वार के अन्तिमकाल और कलियुग के प्रारम्भ में आज से 5148 वर्ष पूर्व हुआ था। तत्कालीन एक तन्त्रीय शासन प्रणाली के प्रतिकार में एक नयी व्यवस्था को



सतीश कुमार गुप्ता
संयोजक, राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

जन्म दिया, उन्होंने पुनः वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य की पुनर्गठन में कृषी-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। उन्होंने अमीर-गरीब तथा उंच-नीच के भेदभाव को समाप्त कर सभी नागरिकों को समान अधिकार दिये। महाराजा अग्रसेन ने एक रुपया और एक ईट के आदर्श द्वारा जहाँ एक और

अपने राज्य को बेकारी बेरोजगारी-निर्धनता जैसे अभिशापों से मुक्त कर वहाँ सदाचार एवं भाईचारे की गहरी नींव रखी। महाराजा अग्रसेन इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वह अग्रवाल जाति के जनक थे वरन इसलिए पूजनीय हैं कि उन्होंने समय की मांग को देखते हुए तात्कालीन डांवाडोल परिस्थितियों में अहिंसा एवं समाजवाद के आधार पर एक सुदृढ़ गणतन्त्र की ठोस शुरुआत की जिस पर अग्रवालों के साथ-साथ पुरा राष्ट्र एवं विश्व गर्व करता है, समाजवाद, लोकतन्त्र एवं विश्व बन्धुत्व का इससे बढ़िया उदाहरण पुरी दुनिया के इतिहास में कहीं देखने सुनने को नहीं मिलेगा।

महाराजा अग्रसेन जयंती: एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व और सामाजिक समरसता का प्रतीक

महाराजा अग्रसेन, अग्रवाल समाज के प्रणेता और प्राचीन भारत के महान शासक, जिन्हें सामाजिक समानता, सहकारिता और परोपकार के लिए जाना जाता है, उनकी जयंती प्रत्येक वर्ष अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। इस वर्ष, 22 सितंबर 2025 को उनकी जयंती पर देशभर में अग्रवाल समाज और अन्य समुदाय उनके आदर्शों को याद करते हैं और सामाजिक एकता के संदेश को प्रचारित करते हैं। महाराजा अग्रसेन का जीवन न केवल एक शासक के रूप में, बल्कि एक समाज सुधारक और अर्थशास्त्री के रूप में भी प्रेरणादायक है। महाराजा अग्रसेन का जन्म सूर्यवंशी राजवंश में हुआ था और वे हरियाणा के प्राचीन नगर अग्रोहा के शासक थे। ऐतिहासिक और पौराणिक कथाओं के अनुसार, वे भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन थे और महाभारत काल में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। अग्रसेन ने अपने शासनकाल में सामाजिक समानता और आर्थिक समृद्धि पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने एक ईट, एक रुपया की अनूठी परंपरा शुरू की, जिसके तहत समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति को नवागतुलक परिवार की मदद के लिए एक ईट और एक रुपया देना होता था। यह व्यवस्था सामुदायिक सहयोग और समानता का प्रतीक थी, जो आज भी अग्रवाल समाज के मूल्यों में देखी जाती है।



सीए नवीन कुमार अग्रवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष अग्रसेन बैंक एवं
सचिव अग्रवाल शिक्षा समिति

उनके शासन में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा दिया गया, जिससे अग्रोहा एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र बन गया। साथ ही, उन्होंने वैदिक संस्कृति और अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाया और अपने राज्य में सभी वर्गों के बीच भाईचारे को बढ़ावा दिया। उनकी नीतियों ने समाज में समता और सहकारिता की भावना को मजबूत किया, जो आज भी प्रासंगिक है। **सामाजिक समरसता और सहकारिता के प्रणेता**
महाराजा अग्रसेन का सबसे बड़ा योगदान उनकी सामाजिक समरसता की नीति थी। उन्होंने जातिगत भेदभाव को कम करने और समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने की दिशा में काम किया। उनकी शिक्षाएँ आज के समय में

भी सामाजिक एकता और सहयोग के लिए प्रेरणा देती हैं। अग्रवाल समाज उनकी इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, व्यापार और सामाजिक सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

एक ईट, एक रुपया की अवधारणा आधुनिक सहकारी आंदोलन का आधार मानी जा सकती है। यह न केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक थी, बल्कि सामुदायिक एकजुटता को भी दर्शाती थी। आज भी कई अग्रवाल संगठन इस सिद्धांत को अपनाते हुए सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए कार्य कर रहे हैं।

जयंती उत्सव और आधुनिक प्रासंगिकता
महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर देशभर में विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। अग्रवाल समाज के संगठन, मंदिरों और सामुदायिक केंद्रों में विशेष पूजा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और दान-पुण्य के कार्य आयोजित किए जाते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में उनके जीवन और आदर्शों पर आधारित व्याख्यान और प्रतियोगिताएं होती हैं। इसके अलावा, कई स्थानों पर रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर और गरीबों को भोजन वितरण जैसे कार्य किए जाते हैं। आज के समय में, जब समाज में आर्थिक असमानता और सामाजिक विभाजन की चुनौतियां बढ़ रही हैं, महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत और भी प्रासंगिक हो गए हैं। उनकी सहकारी और समावेशी नीतियां हमें यह सिखाती हैं कि समाज की प्रगति तभी संभव है, जब सभी लोग एक-दूसरे का सहयोग करें और समानता के सिद्धांत को अपनाएं।

महाराजा अग्रसेन की जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का अवसर है। उनकी शिक्षाएँ हमें सामाजिक समरसता, सहकारिता और परोपकार की प्रेरणा देती हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एकजुटता और सहयोग से ही समाज और राष्ट्र का सच्चा विकास संभव है। आइए, इस जयंती पर हम संकल्प लें कि हम उनके सिद्धांतों को अपनाकर एक बेहतर और समावेशी समाज की दिशा में योगदान देंगे।

अग्रवंशी समाज सेवा में अग्रणीय

महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक और शांति के दूत के रूप में जाना जाता है। वे प्रतापनगर के राजा वल्लभ और रानी भगवती देवी के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन ने लगभग 5200 वर्ष पूर्व महाभारत काल के दौरान अग्रोहा पर शासन किया था।

जब अग्रसेन युवा हुए, तो वे नागराज की पुत्री, राजकुमारी माधवी के स्वयंवर में शामिल हुए। देवताओं के राजा इंद्र सहित दुनिया भर के कई राजा स्वयंवर में शामिल हुए। स्वयंवर में, राजकुमारी माधवी ने राजकुमार अग्रसेन को वरमाला पहनाकर उनका वरण किया। इस विवाह ने दो अलग-अलग पारिवारिक संस्कृतियों का संगम किया क्योंकि राजकुमार अग्रसेन सूर्यवंशी थे और राजकुमारी माधवी नागवंशी। देवताओं के राजा इंद्र राजकुमारी माधवी की सुंदरता पर मोहित हो गए थे और उनसे विवाह करने की योजना बना रहे थे।

हालाँकि, अपनी योजना को विफल करने के कारण, वह अग्रसेन से बहुत ईर्ष्या और क्रोधित हुआ। अग्रसेन से बदला लेने के लिए, इंद्र, जिन्हें वर्षा के देवता भी कहा जाता है, ने यह सुनिश्चित किया कि प्रताप नगर में वर्षा न हो और प्रताप नगर राज्य में अकाल पड़ जाए। तब सम्राट अग्रसेन ने इंद्र के विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया और धर्म के कारण उनकी सेना ने इंद्र की सेना को परास्त कर दिया और उन्हें भगा दिया। इस स्थिति का सामना करते हुए, इंद्र ने नारद (देवी ऋषि) से अपने और सम्राट अग्रसेन के बीच मध्यस्थता करने के लिए संपर्क किया। नारद उनके बीच शांति स्थापित करने में सफल रहे।

अग्रसेन को शत्रुता समाप्त करने के लिए दीर्घकालिक शांति बनाए रखने की चिंता हुई। इसलिए अग्रसेन काशी नगरी गए और भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या करने लगे। अग्रसेन की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव उनके समक्ष प्रकट हुए और उन्हें श्री महालक्ष्मी की आराधना करने की सलाह दी।



महाराज अग्रसेन श्री महालक्ष्मी का ध्यान करने लगे। देवी महालक्ष्मी महाराज अग्रसेन की लगन से प्रसन्न हुईं और उनके समक्ष प्रकट हुईं। देवी महालक्ष्मी ने अग्रसेन को आशीर्वाद दिया और सुझाव दिया कि वे अपनी प्रजा की समृद्धि के लिए क्षत्रिय परंपरा का त्याग करके वैश्य परंपरा का पालन करें। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि वे अपने वंशजों के साथ उनकी शाश्वत उपस्थिति के बदले में एक नया राज्य स्थापित करें।

श्री महालक्ष्मी की कृपा से, राजा अग्रसेन ने सम्पूर्ण भारत का भ्रमण किया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्हें कुछ बाघ और भेड़िये के बच्चे एक साथ खेलते हुए मिले। राजा अग्रसेन और रानी माधवी के लिए, यह एक शुभ संकेत था कि यह क्षेत्र वीरभूमि है, और उन्होंने उस स्थान पर अपना नया राज्य स्थापित करने का निश्चय किया। नए राज्य का नाम अग्रोहा रखा गया। समय के साथ, अग्रोहा समृद्ध हो गया और राजा अग्रसेन का

प्रभाव आसपास के सभी क्षेत्रों में भी महसूस किया जाने लगा। व्यापार, कृषि और उद्योग फल-फूल रहे थे और राजा अग्रसेन की ख्याति दूर-दूर तक फैल गई।

महाराज अग्रसेन ने अपनी प्रजा की समृद्धि के लिए अनेक यज्ञ किए। उन दिनों यज्ञ करना समृद्धि का प्रतीक माना जाता था। ऐसे ही एक यज्ञ के दौरान, महाराज अग्रसेन ने देखा कि बलि के लिए लाया गया एक घोड़ा यज्ञ वेदी से दूर जाने की बहुत कोशिश कर रहा था। महाराज अग्रसेन को दया आ गई और उन्होंने सोचा कि मूक पशुओं की बलि देकर क्या समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। महाराज अग्रसेन के मन में अहिंसा का विचार आया और उन्होंने इस पर अपने मंत्रियों से चर्चा की। मंत्रियों ने महाराज अग्रसेन को सलाह दी कि अहिंसा को पड़ोसी राज्य कमजोरी का प्रतीक मान सकते हैं और उन्हें अग्रोहा पर आक्रमण करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। महाराज अग्रसेन का मानना था कि हिंसा और अन्याय का अंत करना कमजोरी नहीं है। इसलिए, उन्होंने घोषणा की कि उनके राज्य में हिंसा और पशु-हत्या नहीं होगी।

महाराज अग्रसेन ने 18 महायज्ञों का आयोजन किया। उन्होंने अपने राज्य को अपनी 18 संतानों में बाँट दिया और प्रत्येक संतान के गुरु के नाम पर 18 गोत्र स्थापित किए। ये 18 गोत्र भगवद्गीता के अठारह अध्यायों के समान हैं; हालाँकि ये भिन्न हैं, फिर भी ये एक-दूसरे से संबंधित होकर एक संपूर्ण गोत्र का निर्माण करते हैं। इस व्यवस्था के अंतर्गत, अग्रोहा बहुत समृद्ध और फला-फूला। अपने जीवन के उत्तरार्ध में, महाराज अग्रसेन ने अपने ज्येष्ठ पुत्र विभु को राजगद्दी पर बैठाया और वानप्रस्थ आश्रम में रहने लगे।



महेश अग्रवाल
संयोजक राधे राधे
ग्रुप हैदराबाद

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित किया

पूर्वजों के संकल्प और भावी पीढ़ी की आकांक्षाएं पूरी हों

गोरखपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग समाज को नेतृत्व देने वाला तबका है, जो अपनी प्रतिभा के बल पर समाज को नेतृत्व देने का सामर्थ्य रखते हैं।

बुद्धिजीवी तबका समाज को नेतृत्व देने के लिए उठ खड़ा होता है तो दुनिया की कोई भी ताकत उस देश व समाज को आगे बढ़ने से रोक नहीं सकती। सीएम ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में पीएम मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया कि शताब्दी महोत्सव (2047) में कैसा भारत चाहते हैं। यह भारत पूर्वजों के संकल्पों, वर्तमान के सपनों व भावी पीढ़ी की आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला और आत्मनिर्भर व विकसित हो। सीएम ने कहा कि स्वार्थी व विभाजनकारी राजनीति से उठकर विकास के एजेंडे को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। नौजवान, बुजुर्ग, नौकरी-पेशा, श्रमिक, किसान, व्यापारी, महिला हो या पुरुष, सभी के बीच यह चर्चा-परिचर्चा का विषय बनना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को भाजपा महानगर द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि समारोह में मौजूद बुद्धिजीवियों से अपील की कि अलग-अलग संस्थानों को इसका केंद्र बिंदु बनाएं। विजन डॉक्यूमेंट में लोगों से चर्चा-परिचर्चा करें और उनके सुझावों को आमंत्रित करें। अच्छे सुझाव को विजन डॉक्यूमेंट में स्थान देंगे। जनपद स्तर पर आए तीन और प्रदेश के पांच बड़े सुझाव को सम्मानित करेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि भारत तब विकसित बनेगा, जब उत्तर प्रदेश विकसित होगा। यूपी तब विकसित होगा, जब गोरखपुर, एक-एक गांव और कस्बा विकसित होगा। स्वयं को उसके अनुरूप बनाना होगा। सीएम ने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु से जुड़ा वृत्तान्त



सुनाया। कहा कि उन्होंने दो पेड़ लगाए, समान परिस्थितियां व खाद-पानी दिया, लेकिन दोनों के प्रति उनके व्यवहार में अंतर था। एक पेड़ को पुचकारते थे कि वह आगे बढ़ेगा। वंश में वृद्धि होगी। दूसरे को दुत्कारते थे कि तेरा नाम मिट जाएगा। दोनों पौधे एक समान परिस्थिति में पले-बढ़े, समान सुविधाएं मिलीं, लेकिन व्यवहार का अंतर रहा। जिसे वे पुचकारते थे, वह बड़ा होकर फलने-फूलने लगा, जिसे दुत्कारते थे वह नष्ट हो गया। सीएम ने कहा कि भारत की गुलामी का एक कारण यह भी रहा है कि हमने अपने बंधु-बांधवों के साथ भेदभाव किया। जातीय वैमनस्यता के आधार पर सामाजिक एकता को छिन्न-भिन्न किया। उसका दुष्परिणाम सैकड़ों वर्ष तक देश को हम सबको भुगतना पड़ा।

सीएम ने कहा कि भेदभाव समाज ने किया, लेकिन गुलामी की मानसिकता पूरे देश को झेलनी पड़ी। गुलामी की मानसिकता अपनापन, वैभव व गौरव भूल जाती है और विरासत को विस्मृत कर देती है। भारत

के साथ भी यही हुआ है। यहां के लोगों ने मान लिया कि जो भारत का है, वह पिछड़ेपन का प्रतीक है। हम लोगों ने संस्कृत की जगह इंग्लिश मान लिया। भारत के राष्ट्रीय महापुरुषों की जगह विदेशी हीरो, सर्वश्रेष्ठ ग्रंथों की जगह विदेशी ग्रंथ, भारत के लेखकों के मौलिक कृति की जगह किसी विदेशी लेखक की कृति, विरासत में प्राप्त महत्वपूर्ण तथ्य की जगह विदेशी अच्छा है, यह भाव हर भारतीय के मन में भर दिया गया। यह देश गुलामी की मानसिकता में जीता रहा।

सीएम योगी ने कहा कि ऐसा कभी नहीं हुआ कि देश पर हमले होते थे और भारत चुप रहता था, लेकिन एकता का अभाव था। हर कालखंड में भारत ने प्रतिकार किया, लेकिन ताकत बंटी हुई थी। सुहेलदेव को इतिहास ने गायब कर दिया। उन्होंने एक हजार वर्ष पहले विदेशी आक्रांता सालार मसूद को नाकों चने चबवाया। सालार मसूद को लोहे के कड़ाहे पर खड़ा करके जिंदा जला दिया था और उसके दोनों सैनिक से कहा था कि अपने देश में बता देना कि गाजी को क्या

सजा मिली है। इससे 150 वर्ष तक कोई भारत पर हमला करने का दुस्साहस नहीं कर पाया।

सीएम योगी ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान, राणा सांगा, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, सिख गुरु आदि ने शौर्य व पराक्रम दिखाया। आजादी के लिए भारत लड़ सके, इसके लिए सबसे पहले स्वदेशी ने एकजुटता का प्रदर्शन किया था। पहले आर्यसमाज, फिर स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आगमन के बाद स्वदेशी ने नई हुंकार भरी थी। कुछ ही दशकों में भारत स्वतंत्र हो गया, लेकिन स्वतंत्र भारत का भाव क्या होना चाहिए, दुर्भाग्य से यह तय नहीं हो पाया। जिन महापुरुषों को यह तय करना था, वे आजादी के कुछ समय बाद चल बसे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस को आजादी के कुछ समय पहले ही परिदृश्य से गायब कर दिया गया। सरदार पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी समेत सभी महापुरुषों का निधन हो गया।

सीएम योगी ने 2014 के पहले और बाद के भारत का जिक्र किया। 1947-50 से 2014 तक भारत 11वीं अर्थव्यवस्था बन पाया। 2014 से अब तक चौथी अर्थव्यवस्था बन गया। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा यानी तीन इकोनॉमिक पावर अमेरिका, चीन व भारत ही होगा। 2014 के बाद से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई। हाईवे, मेट्रो, रेलवे, एम्स, आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय गठित हुए। शिक्षा व स्वास्थ्य के विश्व स्तरीय केंद्र विकसित हुए। भारत ने नए युग में प्रवेश करते हुए हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास भी किया।

सीएम ने कहा कि भारत पिछले साढ़े पांच वर्ष से 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहा है। 1977 से 2017 तक इसेफेलाइटिस के कहर से तड़पते और मरते बच्चों का जिक्र किया। बोले कि 1905 में जापान ने इसेफेलाइटिस की वैक्सीन बनाई, लेकिन भारत आने

में उसे 100 वर्ष लगे। 2017 में यूपी में जब भाजपा सरकार बनी तो यह बीमारी आज समाप्त हो गई। आज हर परिवार में पर्व का उमंग और नई सुबह का इंतेजार करता है। 2014 तक देश में केवल 74 एयरपोर्ट बन पाए थे, आज इनकी संख्या 160 हो गई। एम्स पहले 7 थे, आज 23 हो गई। 450 केंद्रीय विश्वविद्यालय व इंस्टीट्यूट बने हैं। देश में 230 किमी. से बढ़कर 1050 से अधिक किमी. की मेट्रो लाइन बिछ चुकी है। सीएम ने 11 वर्ष में वेलफेयर स्कीम का भी जिक्र किया।

सीएम ने कहा कि यूपी में डिफेंस मैनुफैक्चरिंग कॉरिडोर का काम सफलतापूर्वक बढ़ रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल लखनऊ में बन रही है। यह दुश्मन पर प्रहार करती है। ड्रोन यूपी में बने हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी का क्या स्थान हो सकता, इस पर काम हो रहा है। पिछले दिनों मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि के दीक्षांत समारोह में इसरो के चेयरमैन भी आए थे। यूपी सरकार उनके साथ मिलकर कार्य कर रही है। आकाशीय बिजली से होने वाली मौतों को रोकने के लिए क्या यूपी सरकार सेटेलाइट लांच कर सकती है। स्पेस टेक्नोलॉजी आज वहां तक पहुंच चुकी है, जहां से बैठे-बैठे वह जमीन के एक-एक इंच का चित्र दे देगा। तस्करि, इल्लीगल माइनिंग तक वह बता देगा। सुरक्षा कारणों से इसमें समय लगेगा। जनहानि रोकने के लिए आकाशीय बिजली चुनौती है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, सांसद रवि किशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, पूर्व कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय आदि मौजूद रहे।

भगवान बुद्ध के अवशेषों की घर वापसी से यूपी का बढ़ा गौरव

लखनऊ/नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश एक बार फिर वैश्विक बौद्ध धरोहर के केंद्र में आ गया है। 127 वर्षों बाद पवित्र पिपरहवा अवशेष, जो सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा स्तूप से 1898 में खोजे गए थे, भारत वापस लौट आए हैं। औपनिवेशिक काल में विदेश ले जाए गए ये अवशेष मई 2025 में हांगकांग की एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में रखे गए थे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और गोर्दोज इंडस्ट्रीज ग्रुप के संयुक्त प्रयास से नीलामी रुकवाई गई और 30 जुलाई 2025 को इन्हें भारत वापस लाया गया।

पिपरहवा अवशेषों की वापसी सिर्फ भारत की नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की भूमि के उस गौरवशाली इतिहास की पुनः स्थापना है, जिसने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से पूरी दुनिया को आलोकित किया। इन अवशेषों का सार्वजनिक प्रदर्शन शीघ्र ही आयोजित



किया जाएगा। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध धरोहर का केंद्र बनाने और राज्य की सांस्कृतिक पर्यटन संभावनाओं को नई ऊंचाई देने वाला साबित होगा।

सिद्धार्थनगर का पिपरहवा स्तूप, जहां भगवान बुद्ध के अवशेष खोजे गए; वाराणसी का सारनाथ, जहां उन्होंने प्रथम उपदेश दिया और कुशीनगर, जहां उन्होंने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया-यह पावन त्रिकोण उत्तर प्रदेश को विश्वभर के करोड़ों बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए सबसे बड़ा और अद्वितीय तीर्थस्थल बनाता है। उत्तर प्रदेश की पावन धरती भगवान बुद्ध की तपोभूमि है। पिपरहवा अवशेषों की घर वापसी न केवल भारत की

सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक महत्ता को भी पुनः स्थापित करती है। यह प्रदेश आज भी पूरी दुनिया को शांति, करुणा और सहअस्तित्व का संदेश देता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 127 वर्षों बाद भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भारत वापसी का स्वागत किया था और इसे राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर के लिए एक गर्व का क्षण बताया था। इन अवशेषों में भगवान बुद्ध की अस्थियां, क्रिस्टल की पेटिकाएं, स्वर्णाभूषण और रत्न, बलुआ पत्थर का संदूक शामिल हैं। ब्राह्मी लिपि के अभिलेख इन्हें सिंधी शाक्य वंश से जोड़ते हैं। गोर्दोज इंडस्ट्रीज ग्रुप के कार्यकारी उपाध्यक्ष, पिर-जेशा गोर्दोज ने कहा कि पिपरहवा अवशेषों की वापसी केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए शांति और करुणा का संदेश है।

प्रयागराज हाईकोर्ट से भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर को झटका

पीएम पर टिप्पणी के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द नहीं होगी

प्रयागराज, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई भद्दी टिप्पणी पर लोक गायिका नेहा सिंह राठौर के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द नहीं होगी। प्रयागराज हाईकोर्ट ने नेहा राठौर की याचिका खारिज करते हुए यह आदेश जारी किया। हाईकोर्ट के जज राजेश सिंह चौहान और जज सैयद कमर हसन रिजवी की खंडपीठ ने नेहा सिंह राठौर को 26 सितंबर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और पुलिस रिपोर्ट दाखिल होने तक जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि उनके खिलाफ लगे आरोप प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध का दर्शाते हैं, जिनकी पुलिस द्वारा जांच की जानी उचित है। अदालत ने कहा कि उनके ट्वीट्स का समय बेहद अहम है, क्योंकि वे पहलगाम हमले के तुरंत बाद पोस्ट किए गए थे। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता को जांच में भाग लेने का निर्देश दिया जाता है, जो आरोपी एफआईआर के अनुसार लंबित है। वह जांच में सहयोग करने के लिए 26 सितंबर को सुबह 11 बजे जांच अधिकारी के सामने उपस्थित हो और पुलिस रिपोर्ट

दाखिल होने तक जांच में सहयोग करती रहें। नेहा सिंह राठौर के खिलाफ लखनऊ के हजरतगंज थाने में अप्रैल में एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज हुआ, जब उन्होंने पहलगाम हमले के तुरंत बाद बिहार गए प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायालय ने कहा कि नेहा राठौर ने प्रधानमंत्री के नाम का अपमानजनक तरीके से इस्तेमाल किया। न्यायालय ने यह भी कहा कि राठौर ने भाजपा पर अपने निहित स्वार्थों के लिए पाकिस्तान के साथ युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया है।

जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का सृजन होगा : योगी यह देशवासियों को पीएम मोदी का दिवाली गिफ्ट

लखनऊ, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरी झंडी दिखाकर नमो मैराथन को रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का सृजन होगा और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। योगी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देश और प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है।

इससे जहां एक ओर जरूरी चीजें छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री, दूध, दही, घी, पनीर, खाने की वस्तुओं में भारी छूट दी गयी है, वहीं दूसरी ओर नशे और फिजूलखर्ची पर भारी टैक्स



लगाया गया है। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए बाइक, कार, घर, घर पर लगने वाले स्टील, सीमेंट आदि पर भी छूट दी गई है। यह घोषणा 3 सितंबर को जीएसटी काउंसिल ने की थी, जिसे 22 सितंबर से पूरे देश में लागू किया जा रहा है। वहीं विजयदशमी पर हर गांव, हर कस्बे और हर जिले में युवाओं

को बुराई के प्रतीक पाप, अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाना होगा। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देशवासियों से विकसित भारत का संकल्प लेने और पंच प्रण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि

गुलामी के अंशों को समाप्त करना होगा, अपनी विरासत का सम्मान करना होगा, सेना व वदीधारी बलों के प्रति आदर रखना होगा, सामाजिक समता के निर्माण के लिए कार्य करना होगा और अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा। यही पंच प्रण भारतवासियों को विकसित भारत की यात्रा का सारथी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इसी प्रेरणा से उत्तर प्रदेश ने विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अभियान को प्रदेश में युवाओं, किसानों, श्रमिकों, व्यापारियों और बुद्धिजीवियों का अपार समर्थन मिल रहा है। हर व्यक्ति अपने क्षेत्र में योगदान देने को

तैयार है। आत्मनिर्भरता को विकसित होने की कुंजी बताते हुए उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर समाज स्वस्थ समाज से ही बनता है और ऐसे आयोजनों जैसे नमो मैराथन से समाज को नई दिशा मिलती है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने देश में स्वास्थ्य और युवा कल्याण से जुड़े कई अभियानों को गति दी। विश्व योग दिवस को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली, खेले इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं जैसे अभियानों से युवाओं को प्रेरणा मिली। साथ ही मिशन रोजगार के जरिए युवाओं के लिए अवसर सृनिश्चित किए गए। आज वही युवा शक्ति सेवा पखवाड़ा के तहत नमो मैराथन से जुड़ रही है।

भाजपा नेता पर हाथ उठाने वाला दारोगा निलंबित

मिर्जापुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

भाजपा नगर मंडल पश्चिमी के महामंत्री एवं अधिवक्ता कृष्ण कुमार सिंह के साथ शनिवार को दोपहर दारोगा द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने का मामला गर्मा गया है। नाराज भाजपाइयों ने कटरा कोतवाली का घेराव कर धरना दिया। एएसएसपी सोमेन वर्मा ने दारोगा सुनील कुमार राय को निलंबित कर जांच के

आदेश दिए। पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहन श्रीमाली ने पुलिस को चेतावनी दी कि गुंडई करनी है तो वर्दी उतार कर आओ। इस तरह का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजपा नेता कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि वह दोपहर सवा 12 बजे पंजाब एंड सिंध बैंक में किसी कार्य से गए थे, तभी वहां दारोगा सुनील कुमार



राय चेकिंग करने पहुंचे। उनको पहचान कर बात करने की कोशिश की। कहा कि उनको एमएलसी के यहां किसी कार्यक्रम में देखा है तो दारोगा ने कहा कि एमएलसी के साथ सिपाही रहता है, दारोगा नहीं।

पूछा, आप गाजीपुर से हैं तो उन्होंने कहा कि बलिया से हैं। पहचानने में गलती होने पर मैं बैंक काउंटर पर

अपना कार्य कराने चला गया। आरोप है कि इसके बाद दारोगा सुनील कुमार राय ने अभद्र व्यवहार करते हुए उठक-बैठक करने के लिए कहा। न करने पर हाथ छोड़ दिया और गाली दी। यह सब घटनाक्रम कैमरे में कैद है। इसके बाद जीप में बैठकर थाने लाए। वहां अपर-ाधी के साथ बैठकर बेट्ट, मोबाइल व पर्स जमा करा लिया। परिवार से बात

करने नहीं दी। कटरा कोतवाली में भाजपा कार्यकर्ताओं की पिटाई मामले में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने भी एसएसपी से बात की। बाद में दारोगा पर एसएसपी ने कार्रवाई की।

असरदार साबित होती है। मटर के आटे का उबटन चेहरे पर लगाने से चेहरे की झाइयां कम होती हैं।

संपादकीय वूटनीति का दोहरा चरित्र

इन दिनों विश्व राजनीति में कौन किसके साथ खड़ा है, यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के प्रतिबंध समिति के सामने पाकिस्तान ने अपने सदाबहार मित्र चीन के साथ मिलकर बलूचिस्तान के विद्रोही गुटों बीएलए यानि बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के खिलाफ आतंकी सूची में डलवाकर देश और विदेशों में उनकी यात्रा पर रोक लगवाने तथा उनकी संपत्तियों को जप्त करने के उद्देश्य से प्रस्ताव लाया किंतु अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने उसके प्रस्ताव का विरोध करके दोनों के प्रयासों को असफल कर दिया। मजे की बात है कि पाकिस्तान ने बड़ी दौड़ धूप करके अमेरिका द्वारा इन दोनों संगठनों को विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी संगठन (एसडीजीटी) की सूची में शामिल करके विदेशी आतंकी संगठन घोषित कराया था। दरअसल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1267 के मुताबिक मात्र उन संगठनों को ही यूपन प्रतिबंध समिति आतंकी सूची में डालता है जिनका अलकायदा और आईएसआईएस से संबंध हो। 1999 में जिस 1267 प्रस्ताव का प्रावधान किया गया था, उसका ईमानदारी से पालन किया होता तो तमाम आतंकी संगठनों या आतंकियों पर प्रतिबंध लग जाते और वे अपने सही ठिकाने पात्रि जेल में होते। लेकिन पाकिस्तान उन्हें अपना नागरिक बताकर अपने मित्र चीन से वोटो लगावा कर यूपन में बचा लेता है। यही है यूपन के स्थाई सदस्यों का दोहरा चरित्र। अहमल में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असौम इफ्तिखार अहमद ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें स्पष्ट रूप से दावा किया गया कि आईएसआईएस के अलकायदा तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बीएएफ और उसकी मजीद ब्रिगेड जैसे आतंकी संगठन अफगानिस्तान से संचालित हो रहे हैं और वहीं से पाकिस्तान में सीमापार से हमले कर रहे हैं। यही नहीं पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने यह भी दावा किया कि आतंकवाद-पाकिस्तान की प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है और इसके लिए अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को अपने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दायित्व को पूरा करना चाहिए। पाकिस्तान और चीन के इस तर्व को अमेरिका उसके सहयोगी देशों ने खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अलकायदा और आईएसआईएस से संबंध का कोई प्रमाण नहीं है। यदि पाकिस्तान और चीन का यह प्रस्ताव स्वीकार हो जाता तो यह चीन और पाकिस्तान दोनों की बहुत बड़ी जीत होती। अमेरिका ने तो इससे पहले 2019 में भी बीएलए और मजीद ब्रिगेड को एसडीजीटी की सूची में नामित किया था। सच तो यह है कि बीएलए और मजीद ब्रिगेड ने न सिर्फ पाकिस्तान की नाक में दम कर रखा है बल्कि चीन भी उनसे बहुत परेशान है। चीन इन्हीं दोनों संगठनों के विरोध के कारण

ग्वदर बंदरगाह को विकसित नहीं कर पा रहा है और इन्हीं दोनों संगठनों की वजह से बलूचिस्तान से खनिज पदार्थों की खुदाई कर पाने में सफल भी नहीं हो पा रहा है। पाकिस्तान की आर्मी ने चीन के इंजीनियरों की सुरक्षा के लिए इस राज्य को भयाव्रांत करने के उद्देश्य से ही बूराता को हद पैार कर दी है। बलूचिस्तान के लोग जितना पाकिस्तान की सेना और सरकार से घृणा करते हैं, उतना ही उन चीनी इंजीनियरों एवं चीन की कंपनी के कार्मियों से भी नफरत करते हैं। बहरहाल पाकिस्तान को गलतफहमी हुई कि यदि बीएलए और मजीद ब्रिगेड को यूपन प्रस्ताव के तहत आतंकी घोषित करने में अमेरिका मदद कर देगा तो उसके सहयोगी ब्रिटेन और फ्रांस भी साथ दे सकते हैं। किंतु उसकी यह चालबाजी काम नहीं आई। पाकिस्तान को सन्नियता का सबसे बड़ा कारण है कि उसे यह गलतफहमी हो गई है कि भारत और अमेरिका के बीच वूटनीतिक, सुरक्षा और खुफिया तंत्र सहयोग के ब्रम खत्म हो चुके हैं। वह इतनी सरल बात भी स्वीकार नहीं कर पा रहा है कि इन दिनों नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी के जो संबंध खराब दिख रहे हैं वे असल में दोनों देशों के स्थाई संबंध नहीं हैं, बल्कि अस्थायी दौर है। दोनों यानि भारत और अमेरिका को एक-दूसरे की जरूरत है इसलिए ज्यादा दिनों तक यह तनावनी चल ही नहीं सकती। अमेरिका को न तो पाकिस्तान पर भरोसा है और न ही पाकिस्तान को अमेरिका पर। कारण कि पाकिस्तान चीन से कर्ज का पिण्ड छुड़ा ही नहीं सकता इसीलिए पाकिस्तान को इस्तेमाल करने के लिए जहां उसके सेना प्रमुख को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लंच कर दिया, वहीं ट्रंप मंडली सहित पूरा अमेरिका भारत को चीन के नजदीक करके हतप्रभ रह गया। अमेरिका अच्छी तरह जानता है कि भारत और चीन की स्थाई मित्रता संभव ही नहीं है, इसीलिए भारत और अमेरिका के संबंधों को मात्र टैरिफ और ट्रंप मंडली के बयानों से मूक्यत्वा करके पर निष्पक्ष दोषपूर्ण आना स्वाभाविक है। पाकिस्तान चीन से ही मिलकर भारत के खिलाफ सत्रिय लश्कर-ए-तयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे दुर्दांत आतंकीयों को यूपन प्रस्ताव 1267 के तहत आतंकी घोषित किए जाने से अपने वोटो पावर का दुरुपयोग करके यूपन में बार-बार रोकता है क्योंकि ये सभी तो उसके हीरो ही हैं लेकिन जो बलूची अपने अस्तित्व को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं उन्हें पाकिस्तान चीन की मदद से हमेशा के लिए अलग-थलग करने हेतु वुटिलात कर रहा है।

कुछ अलग 'जीवन क्या है?'

एक बार एक यात्री जंगल के मार्ग से अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। तभी अचानक एक जंगली हाथी ने उस पर हमला किया और पैर उठाकर लांघाग हड़प्टा मारा। बचाव का अन्य मार्ग न देख वह अपने पहुंच में दिख रही एक बगदर के पेड़ की डाल पर लटक गया, जिसका सिरा तालाब पर झूल रहा था। अपने पाग बचाने के लिए जब वह इधर-उधर देख रहा था, तो डाल के नीचे उसकी दृष्टि गई, वहां साक्षात मृत्यु खड़ी दिखाई दी। विकराल मगरमच्छ उस यात्री के पेड़ से नीचे गिरने की बाट जोह रहा था। भय-कम्पित निरुपाय आंखें ऊपर पेड़ पर गईं, तो देखा, शहद का एक छता लटक रहा है और उससे बूंद-बूंद मधु टपक रहा है। उसके मुख में पानी आ गया।

दृष्टि कोण

का जीवन केवल उसके व्यक्तिगत अस्तित्व तक सीमित नहीं है. वह अपने आसपास के समाज, संस्कृति और वातावरण से गहराई से जुड़ा हुआ है। मानव सभ्यता की यात्रा आरम्भ से लेकर आज तक एक लम्बा और संघर्षपूर्ण इतिहास समेटे हुए है। इस यात्रा में गाँव और शहर दोनों की अपनी-अपनी भूमिका रही है। जहाँ गाँव ने मनुष्य को जीवन का मूलभूत आवश्यकताओं—अन्न, जल, आश्रय और आत्मीय संबंध—से जोड़ा, वहीं शहर ने उसे ज्ञान, तकनीक, व्यापार और आधुनिकता की राह दिखाई। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि गाँव और शहर मानव जीवन के दो पंख हैं; यदि इनमें से एक भी कमजोर हो जाए तो समाज का संतुलन बिगड़ जाता है। भारतीय संस्कृति और इतिहास पर दृष्टि डालें तो हमें स्पष्ट दिखाई देता है कि हमारी सभ्यता की जड़ें गाँवों में ही बसी हुई हैं। प्राचीन काल में कृषि, पशुपालन और हस्तशिल्प के सहारे गाँव आत्मनिर्भर

और सम्पन्न थे। यही आत्मनिर्भर गाँव भारत की असली पहचान थे। यहीं से हमारी संस्कृति, परंपराएँ और मूल्य जन्मे। यही कारण है कि महात्मा गांधी ने कहा था—“भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है।” गांधीजी का यह कथन केवल भावनात्मक नहीं था, बल्कि ऐतिहासिक सच्चाई पर आधारित था। यदि हम इतिहास की गहराई में उतरें तो पाएँगे कि प्राचीन भारत में गाँव और शहर दोनों का विकास साथ-साथ हुआ। सिन्धु घाटी सभ्यता के मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे नगरे व्यापार और योजना का उदाहरण हैं, जबकि उनके चारों ओर बसे गाँव कृषि और पशुपालन के केंद्र थे। यही संतुलन भारत को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाता था। वैदिक काल में भी अधिकांश लोग गाँवों में रहते थे और कृषि ही मुख्य आजीविका थी। गाँवों की संरचना उस समय इतनी सुदृढ़ थी कि वे अपने भीतर छोटे-छोटे गणराज्यों के रूप में कार्य करते थे। परंतु समय के साथ जब साम्राज्यों का विस्तार हुआ और व्यापार का महत्व

सोमवार,22 सितंबर, 2025 बंगलूरू

बिहार में ‘वोटर अधिकार यात्रा’ के बाद उनका ‘वोट चोर, गद्दी छोड़’ वाला नारा वायरल हो गया

राहुल गांधी का जेन-जेड दांव लोकतंत्र की रक्षा या पड़ोसी देशों जैसी आग का न्योता ?

अजय कुमार राहुल जी, नौजवानों को वोट की ताकत सिखाइए। आपके परिवार ने इसी सिस्टम से सत्ता पाई। बिहार चुनाव बताएंगे, जेन-जी राहुल के साथ है या तरक्की के रास्ते पर। लोकतंत्र बचेगा, अगर युवा वोट से बदलाव लाएं। आग से नहीं। देश की सियासत में इन दिनों हंगामा बरपा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, ‘देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेनरेशन—जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूँ। जय हिंद!’ यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ पेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर ‘वोट चोरी’ का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे ‘नेपाल जैसी साजिश’ बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को ‘घर जैसा’ बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, ‘देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेनरेशन—जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूँ। जय हिंद!’ यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ पेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर ‘वोट चोरी’ का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे ‘नेपाल जैसी साजिश’ बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को ‘घर जैसा’ बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, ‘देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेनरेशन—जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूँ। जय हिंद!’ यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ पेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर ‘वोट चोरी’ का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे ‘नेपाल जैसी साजिश’ बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को ‘घर जैसा’ बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया।

देश दुनिया से

विदेशी पंडिग से बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का खेल

हाल ही में राजस्थान के अनूपगढ़ इलाके में बड़े स्तर पर धर्मपरिवर्तन का गिरोह का खुलासा हुआ है, जो हिंदुओं को ईसाई धर्म में शामिल करने का काम कर रहा है। जानकारों के मुताबिक, चेन्नई से संचालित प्रेड्स मशीनरी प्रेयर बैंड धर्म परिवर्तन का खेल कर रहा है। इस संगठन का खुलासा उस समय हुआ, जब अनूपगढ़ के गांव 24 एपीडी के 23 वषययुवक संदीप पुत्र राय साहब वुमार ने संगठन के इंचार्ज पौलस बारजो और उसके दो सहयोगी पिता-पुत्र विनोद और आर्यन के खिलाफ शायी का झांस देकर धर्म परिवर्तन करवाने का मामला दायी करवाया। इससे दो सप्ताह पहले मध्यप्रदेश के सिरौरीली जिले में धर्मांतरण की एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। यहां नवानगर थाना क्षेत्र के निगाली बस्ती में कुछ लोग 50 से ज्यादा लोगों को पैसा का मामला देकर और हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ़ आपत्तिजनक बातें कहकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रहे थे। पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 50 लोगों को चंगुल से मुक्त कराया है। इसी तरह राजस्थान के अलवर जिले में एमआईए थाना क्षेत्र के गोलेटा स्थित सैय्यद कॉलोनी में अवैध धर्मांतरण का मामला सामने आया है। विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने यहां दबिश देकर दो आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे पृछताछ जारी है। बता दें कि गोलेटा में एक निजी स्कूल के पीछे एक मिशनरी में 12 से 15 वर्ष की उम्र के करीब 60 बच्चे मिले थे बच्चे गुरुग्राम और देश के अन्य कई हिस्सों से पृछताछ में सामने आया कि वहां साल से धर्मांतरण का खेल चल रहा था। पुलिस को यहां बाइबिल और ईसाई धर्म की कि पुस्तवें मिली। पुलिस ने अमृत और सोनू को हिरासत में लिया है। राजस्थान में धर्मांतरण गिरोह के संगठन के इंचार्ज पौलस बारजो ने हैरान करने वाले कई खुलासे किए। पौलस बारजो ने बताया कि वह अकेला अब तक 454 हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करवा चुका है। पुलिस ने संगठन इंचार्ज पौलस बारजो और आर्यन को राउंडअप कर लिया है। पुलिस में शिकायत दर्ज करवाने वाले संदीप ने बताया कि अनूपगढ़ के रेलवे स्टेशन के पास बाइक स्पेयर पाटर्स की दुकान के मालिक आर्यन और उसके पिता विनोद वुमार उसके पुराने परिचित हैं। करीब एक महीने पहले वह

सम्पादकीय

संवादकीय

संवादकीय

जी, नौजवानों को वोट की ताकत सिखाइए। आपके परिवार ने इसी सिस्टम से सत्ता पाई। बिहार चुनाव बताएंगे, जेन-जी राहुल के साथ है या तरक्की के रास्ते पर। लोकतंत्र बचेगा, अगर युवा वोट से बदलाव लाएं। आग से नहीं। देश की सियासत में इन दिनों हंगामा बरपा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक ट्वीट ऐसा है, जिसने सबको चौंका दिया। 18 सितंबर 2025 को एक्स पर उन्होंने लिखा, ‘देश के युवा, देश के छात्र, देश की जेनरेशन—जी संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट की चोरी रोकेगी। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूँ। जय हिंद!’ यह कोई मामूली बात नहीं थी। इस ट्वीट में पड़ोसी मुल्क नेपाल के हाल के जेन-जी आंदोलन की छाया साफ दिख रही है, जहां नौजवानों ने सड़कों पर उतरकर सरकार को उखाड़ पेंका। सवाल उठ रहे हैं, क्या राहुल गांधी युवाओं को सड़कों पर बुलाने का इशारा दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग पर ‘वोट चोरी’ का इल्जाम लगाकर आग भड़का रहे हैं? कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं, वहीं भाजपा इसे ‘नेपाल जैसी साजिश’ बता रही है। ऊपर से सैम पित्रोदा का पाकिस्तान को ‘घर जैसा’ बताने वाला बयान ने नया बवाल खड़ा कर दिया। आखिर क्या है यह मजरा? क्या राहुल का जेन-जी दांव भारत में नेपाल जैसी आग लगाएगा या लोकतंत्र को और मजबूत करेगा? नेपाल में सितंबर 2025 में जेनजी आंदोलन ने तहलका मचा दिया। वहां की सरकार को जाना पड़ा। बात शुरू हुई 4 सितंबर से, जब नेपाल सरकार ने पेसबुक, एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी। वजह बताई गई कि ये वंपनियां नए नियमों में रजिस्टर नहीं हुई थीं। लेकिन यह पैसला 1995 से 2010 के बीच पैदा हुए जेन-जी युवाओं को बिचलुल रास नहीं आया। उनके लिए सोशल मीडिया सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि रोजगार, पढ़ाई और दुनिया से जुड़ने का जरिया है। रूलस बनाकर पैसे कमाने वाले, विदेश में बसे रिश्तेदारों से वीडियो कॉल करने वाले, ऑनलाइन बिजनेस चलाने वाले सब गुस्से में आ गए। शुरू में आंदोलन बैन के खिलाफ था, लेकिन जल्दी ही यह भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अमीर-गरीब की खाई के खिलाफ उग्र हो गया। काठमांडू से लेकर छोटे शहर तक सड़कों पर हजारों युवा उतर आए। सरकारी दफ्तरों, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास पर हमले हुए। कम से कम 51 लोग मारे गए, सैकड़ों जख्मी। सेना को सड़कों पर उतारना पड़ा। एक बड़े नेता ने कहा, ‘सियासी दलों ने युवाओं की बात नहीं सुनी, इसलिए हिंसा भड़की।’ नतीजा? प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को वुसा छोड़नी पड़ी। अब नई सरकार की बात हो रही है, जिसमें कुछ नए चेहरों के नाम सामने आ रहे हैं। यह आंदोलन कुछ नौजवानों ने शुरू किया, जो सियासत से दूर थे। बाद में विपक्षी दलों ने इसे हवा दी। भारत पर भी इसका असर पड़ा। उत्तराखंड के सीमाई

बाजारों में धंधा ठप है, क्योंकि नेपाली ग्राहक सड़को पर हैं। नेपाल का यह बवाल भारत के लिए चेतावनी बन रहा है। राहुल गांधी का ट्वीट इस माहौल में आया। उन्होंने नेपाल का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों में वही जोश दिख। बिहार में ‘वोटर अधिकार यात्रा’ के बाद उनका ‘वोट चोर, गद्दी छोड़’ वाला नारा वायरल होगा।। प्रेस कॉंग्रेस में उन्होंने चुनाव आयोग पर सीधा निशाना साधा। कर्नाटक में 6018 वोटरों के नाम कटने और महाराष्ट्र में 6180 वोटर जोड़े जाने का हवाला देकर ‘वोट चोरी पैक्टरी’ का इल्जाम लगाया। मुख्य चुनाव आयुक्त को ‘वोट चोरों का सरगना’ तक कह डाला। आयोग ने सफाई दी कि यह रूटीन काम है, लेकिन राहुल नहीं रुके। उन्होंने कहा, ‘मैं 100 फीसदी सक्ती के साथ बोल रहा हूँ। मुझे अपने देश और संविधान से प्यार है।’ कांग्रेस का कहना है कि युवा उनकी ताकत हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा में राहुल ने ‘युवा न्याय’ की बात की थी। गुजरात दौरे पर फिर्नेस पर जोर दिया, जो युवा नजरिए को दिखाता है। लेकिन भाजपा इसे खतरनाक खेल बता रही। सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर तंज किया, ‘जेन-जी परिवारवाद के खिलाफ है। नेहरू, इंदिरा, राजीव, सोनिया के बाद राहुल को क्यों बर्दाश्त करेगा? भ्रष्टाचार से नफरत करता है, तो यूपीए के घोटाले वैसे भूलेगा?’ उनका पोस्ट वायरल हो गया। दुबे ने गृह मंत्रालय और ईडी से सैम पित्रोदा की पंडिंग और राहुल के विदेशी दौरों की जांच की मांग की। बोले, ‘कांग्रेस विदेशी ताकतों के साथ अराजकता फैलाना चाहती है। देश छोड़ने की तैयारी करो।’ वंगना रनौत ने कहा, ‘नेपाल में जेन-जी ने परिवारवादी सरकार उखाड़ी। राहुल देश को शर्मिंदा करते हैं।’ भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी बोले, ‘कांग्रेस की पहचान परिवारवाद और घोटाले हैं।’ पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने तो हद कर दी, बोले, ‘नेपाल जैसी व्रांति भारत में हुई तो

उसकी टीम के लोग उन लोगों को चिन्हित करते थे जो लोग गरीब असहाय या किसी बीमारी से ग्रसित हो। पौलस बारजो टीम के साथ पीडित व्यक्ति के घर जाकर उन्हें बहला-पुसलाकर ईसाई बनाने का काम करता था। पौलस बारजो ने बताया कि संगठन के द्वारा उसे व उसकी टीम को पंडिंग भी दी जाती है। उसने बताया कि संगठन के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, गांव दो पीजीएम और 36 जीबी में चर्च बनाया जाना है। विनोद वुमार ने साढ़े 3 लाख रुपए दिए हैं। इसके के लिए भूखंड खरीद चुके हैं। 2016 के बाद संगठन के निर्देशों पर वह दूसरे राज्यों में चला गया और 2021 में वापिस अनूपगढ़ आ गया। अब वर्तमान में वह अनूपगढ़ के वार्ड नंबर 14 में अपने सहयोगी आर्यन पुत्र विनोद वुमार के घर रह रहा है। पौलस बारजो 15 जुलाई 2025 तक कुल 454 हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करवा चुका है। उसने बताया कि तरफ से प्रतिवर्ष एक व्यक्ति को 20 हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करने का टारगेट मिलता है। टारगेट पूरा करने के लिए उसने पूरे क्षेत्र यहां तक कि गांवों में भी अपने सहयोगी छोड़ रखे हैं, जिनका धर्म परिवर्तन करवा चुका है। प्रार्थना सभा में कितने सदस्य आए किस प्रार्थना सभा से कितनी राशि मिली। मुख्यालय से कितनी राशि इन्हें आई इस राशि को किस मद पर खर्च किया गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि इन सभी डॉक्यूमेंट्स को उसने अपने घर नहीं रखा किनर किसी और के घर रखा हुआ था। संगठन को पचास से उसे 9000 रुपए माह सैलरी, भत्ता,बच्चों के पढ़ाई का खर्च, और भी कई खर्च मिलते थे। आपकी बता दें कि उपरोक्त मामले तो सिर्फ नमूना भर हैं देश के कई राज्यों में ईसाई मिशनरियों के जैजट साथि हैं और दवे पात्र भारत के ईसाईकरण में लगे हैं एक ओर गजवा ए हिन्द के जरिए इस्लामी देश पानी की तरह पैसे बहा कर देश में हिन्दू समुदाय के लोगों का धर्म परिवर्तन करने के लिए साथि हैं दूसरी ओर ईसाई भी इस काम को अजाम देने के लिए साथि हैं इस जरूरत से जागरूक करने के लिए व्यापक जन जागरण की जरूरत है।

उसकी टीम के लोग उन लोगों को चिन्हित करते थे जो लोग गरीब असहाय या किसी बीमारी से ग्रसित हो। पौलस बारजो टीम के साथ पीडित व्यक्ति के घर जाकर उन्हें बहला-पुसलाकर ईसाई बनाने का काम करता था। पौलस बारजो ने बताया कि संगठन के द्वारा उसे व उसकी टीम को पंडिंग भी दी जाती है। उसने बताया कि संगठन के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, गांव दो पीजीएम और 36 जीबी में चर्च बनाया जाना है। विनोद वुमार ने साढ़े 3 लाख रुपए दिए हैं। इसके के लिए भूखंड खरीद चुके हैं। 2016 के बाद संगठन के निर्देशों पर वह दूसरे राज्यों में चला गया और 2021 में वापिस अनूपगढ़ आ गया। अब वर्तमान में वह अनूपगढ़ के वार्ड नंबर 14 में अपने सहयोगी आर्यन पुत्र विनोद वुमार के घर रह रहा है। पौलस बारजो 15 जुलाई 2025 तक कुल 454 हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करवा चुका है। उसने बताया कि तरफ से प्रतिवर्ष एक व्यक्ति को 20 हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करने का टारगेट मिलता है। टारगेट पूरा करने के लिए उसने पूरे क्षेत्र यहां तक कि गांवों में भी अपने सहयोगी छोड़ रखे हैं, जिनका धर्म परिवर्तन करवा चुका है। प्रार्थना सभा में कितने सदस्य आए किस प्रार्थना सभा से कितनी राशि मिली। मुख्यालय से कितनी राशि इन्हें आई इस राशि को किस मद पर खर्च किया गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि इन सभी डॉक्यूमेंट्स को उसने अपने घर नहीं रखा किनर किसी और के घर रखा हुआ था। संगठन को पचास से उसे 9000 रुपए माह सैलरी, भत्ता,बच्चों के पढ़ाई का खर्च, और भी कई खर्च मिलते थे। आपकी बता दें कि उपरोक्त मामले तो सिर्फ नमूना भर हैं देश के कई राज्यों में ईसाई मिशनरियों के जैजट साथि हैं और दवे पात्र भारत के ईसाईकरण में लगे हैं एक ओर गजवा ए हिन्द के जरिए इस्लामी देश पानी की तरह पैसे बहा कर देश में हिन्दू समुदाय के लोगों का धर्म परिवर्तन करने के लिए साथि हैं दूसरी ओर ईसाई भी इस काम को अजाम देने के लिए साथि हैं इस जरूरत से जागरूक करने के लिए व्यापक जन जागरण की जरूरत है।

संवादकीय

संवादकीय

संवादकीय

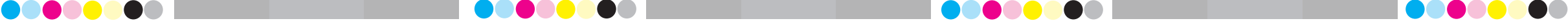
राहुल-अखिलेश के घरों में आग लग जाएगी!’ विपक्ष में शिवसेना के संजय राउत ने राहुल का साथ दिया, लेकिन चेताया, ‘भारत में भी ऐसा हो सकता है, भाजपा तैयार रहे।’ जेडीयू के नीरज वुमार ने जवाब दिया, ‘भारत न बांग्लादेश है, न नेपाल। यहां लोकतंत्र मजबूत है।’ गृह मंत्री अमित शाह बोले, ‘चुनाव आयोग को बदनाम करना कांग्रेस की पुरानी चाल।’ अनुराग ठावुर ने कहा, ‘कांग्रेस लोकतंत्र कमजोर कर रही।’ प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के नेताओं से बात की और युवाओं को शांतिपूर्ण रास्ता अपनाने की सलाह दी। इस बवाल में सैम पित्रोदा ने और आग में घों डाला। 19 सितंबर को उन्होंने कहा, ‘पाकिस्तान गया, वहां घर जैसा लगा। बांग्लादेश, नेपाल में भी ऐसा हो।’ भाजपा ने इसे ‘देशद्रोही’ बताया। शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा, ‘पित्रोदा को पाकिस्तान पर जैसा लगता है? 26/11 पर नरमी, पुलवामा में पाक का साथ कांग्रेस की सौत साफ!’ पित्रोदा ने राहुल के जेनजी बयान का समर्थन किया, लेकिन उनके पुराने बयान याद आ गए 1984 दंगों पर ‘हुआ तो हुआ’, उत्तर-पूर्व को ‘चीनी-अप्रैकी’ कहना, विरासत टैक्स की बात। कांग्रेस ने खुद को अलग किया, लेकिन नुकसान हो चुका। 19 सितंबर को दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (ळएळ) चुनाव में नौजवानों ने जवाब दे दिया। अभाविप ने जीत हासिल की, आर्यन मान अध्यक्ष बने। पंजाब यूनिवर्सिटी में भी अभाविप जीती। लोग बोले, ‘राहुल के बयान के अगले दिन जेन-जी ने भाजपा चुनी।’ बिहार चुनाव से पहले यह बवाल बड़ा है। कांग्रेस कहती है, जेन-जी पढ़ाई, नौकरी, बराबरी पैदा है। राहुल बार-बार कहते हैं, लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। उनकी बात अच्छी लगती है, लेकिन सवाल है क्या वे वोटिंग की बात कर रहे या सड़कों पर बवाल का इशारा दे रहे हैं? एक्स पर ळ्दुण्णदइमूदूदट्रेड कर रहा, लेकिन मुंबई में ळ्श्वद्दहा17 की लाइन में जेन-जी रात 2 बजे से खड़ी है। एक यूजर ने तंज मारा, ‘राहुल की बात सुनी, जागे, मगर ग्य्हदा लेने चले गए।’ कांग्रेस के जमाने में सिलेंडर की लाइन थी, आज ऐपल फोन की। वेंद्र की स्किल इंडिया, विकसित भारत रोजगार योजना युवा-वेंद्रित हैं। मोदी ने 2014 में गगल होंआउट पर युवाओं से बात की थी। राहुल का बयान कांग्रेस के लिए दोगांधा तलवार है। वे संविधान बचाने की बात करते हैं, लेकिन नेपाल का जिा सड़क आंदोलन का संकेत देता है। भारत का लोकतंत्र वोट से चरता है, आग से नहीं। श्रीलंका की त्वाही, बांग्लादेश का बवाल, नेपाल का दर्द क्या राहुल भारत को उसी रास्ते ले जाना चाहते हैं? या जागरूकता पैला रहे? पित्रोदा का बयान दिखता है, कांग्रेस पड़ोसियों से नरम, भारत से सख्त। लेकिन ळएळ ने साफ कर दिया जेन-जी तरक्की चाहती है, बवाल नहीं। राहुल जी, नौजवानों को वोट की ताकत सिखाइए। आपके परिवार ने इसी सिस्टम से सत्ता पाई। बिहार चुनाव बताएंगे, जेन-जी राहुल के साथ है या तरक्की के रास्ते पर।

आप का नजरिया

भारत का ही लाभ

भारत का ही लाभ इन दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सलाहकार मंडली जुवान से तो भारत और प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए मीठी-मीठी बातें तो करती हैं किन्तु कारंबाई इस तरह की करने में व्यस्त हैं जिससे देश के हर वर्ग को प्राभावित होना पड़ता है। शूक्रवार को भी ट्रंप ने इसी दुराशय के वशीभूत होकर एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया जिसके तहत एचबी वीजा शुल्क पर एक लाख अमेरिकी डालर बढ़ा दिया है। निमित्त रूप से ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रातिवूल प्राभाव पड़ना तथ्य है। व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव विल शार्प ने कहा कि एचबी गैर प्रावासी वीजा कार्यक्रम देश की प्रतियोगिता में सबसे अधिक दुरुपयोग की जाने वाली वीजा प्रणालियों में से एक है। दरअसल जब कोई व्यक्ति इतना ज्यादा किसी के प्रति द्वेष रखता है तो कभी-कभी उसकी नकारात्मक कारंबाई भी लक्षित व्यक्ति, समुदाय या राष्ट्र के हित में ही साबित हो जाती है। भारत तो बहुत ही प्रतिभा पलायन के कारण कई क्षेत्रों में पेशेवरों के टोटा होने से परेशान है। भारत में तमाम आईआईटी और एनआईटी होने के बावजूद विकासांन्मुख भारत को मेक इन इंडिया के लिए प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। पहले तो भारत में सुविधा न मिल पाने के कारण भारत से टेक्नालाजी संस्थानों से स्नातक की डिग्री लेकर डालर की लालच में युवक अमेरिका और दूसरे विकसित देशों में चले जाते थे किन्तु आज देश में ऐसे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए भारत में सुविधाओं की कमी नहीं है। निमित्त रूप से भारतीय पेशेवरों को लक्ष्य बनाकर लागू की जाने वाली अमेरिकी वीजा नीति से अप्रात्यक्ष लाभ भारत को ही होगा क्योंकि हमारी प्रतिभा हमारे घर में ही रहेगी। तमाम आईआईटी और एनआईटी भारत में आज वुशल कामगार पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। यदि अमेरिका से प्रौद्योगिकी और आईटी के पेशेवर भारत वापस आ जाएं तो न सिर्फ भारत में स्टार्टअप की वाढ़ आ जाएगी और जरूरतमंद वपनियां जो काम संबंधन उपलब्ध हो जाएंगे बल्कि अमेरिका में जो भारतीय पेशेवर वहीं के लिए समर्पण भाव से हैं सुविधा न मिल पाने के कारण काम कर रहे हैं, उनकी हालत दिन प्रतिदिन प्रतिभा से अभाव में संकटग्रस्त हो जाएगा। भारतीय पेशेवरों और चीन के अमेरिका में अध्ययन करने वाले छात्रों की तुलना करें तो एक हेंराग करने वाला तथ्य सामने आता है कि चीनी छात्र पढ़ाई पूरी करके अपनी प्रतिभा और अनुमान का लाभ अपने देश को देने चीन चले जाते हैं किन्तु भारतीय संस्थानों में पढ़े लिखे छात्र अमेरिका को अपना ही देश मानकर जीजान से उसके विकास के लिए जुटे रहते हैं। फिर अमेरिका को कुछ दिनों या वर्षों बाद इस बात का प्हासस होगा कि उनके एक राष्ट्रपति कितने नासमझ थे जिनकी वजह से भारतीय जाने वाली अमेरिकी वीजा नीति से प्रतिभा से उनके देश की वपनियां वंचित हो गई। भारतीय इंजीनियरों, डाक्टरों और शिक्षकों ने अमेरिका को अपना देश मानकर वर्षों से जो तपस्या की है उन्हीं का परिणाम है कि आज अमेरिका हर क्षेत्र में शिखर पर है। अमेरिका को यह बात महसूस करनी चाहिए कि वह शीर्षस्थ शिखर पर पहुंच चुका है और

आज देश में ऐसे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए भारत में सुविधाओं की कमी नहीं है। निमित्त रूप से भारतीय पेशेवरों को लक्ष्य बनाकर लागू की जाने वाली अमेरिकी वीजा नीति से प्रतिभा से उनके देश की वपनियां वंचित हो गई। भारतीय इंजीनियरों, डाक्टरों और शिक्षकों ने अमेरिका को अपना देश मानकर वर्षों से जो तपस्या की है उन्हीं का परिणाम है कि आज अमेरिका हर क्षेत्र में शिखर पर है। अमेरिका को यह बात महसूस करनी चाहिए कि वह शीर्षस्थ शिखर पर पहुंच चुका है और प्रावृत्ति का नियम यही है कि जो एक बार शीर्षस्थ हो जाता है उसका नीचे खिसकना अनिवार्य है। शीर्षेनुम्खी है, उसे शीर्ष के शिखर पर पहुंचना ही है, इसलिए लगता यही है कि ट्रंप और उनके सलाहकारों ने पेशेवर प्रावासी भारतीयों के खिलाफ नीति निर्धारण करके अप्रात्यक्ष रूप से भारत को ही लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।





बगराम एयरबेस को लेकर अफगानिस्तान को ट्रंप की धमकी-वापस नहीं किया तो बहुत बुरा होगा

वाशिंगटन, 21 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस को लेकर एकबार फिर धमकी देते हुए कहा है कि अगर यह एयरबेस अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो इसे नतीजे बहुत बुरे होंगे। हाल ही में अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान ट्रंप ने कहा था कि उनकी सरकार अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस को हासिल करने की कोशिश कर रही है हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति की इन

कोशिशों को चुनौती देते हुए अफगानिस्तान के मौजूदा तालिबान शासन की तरफ से कहा गया कि अफगान धरती ने विदेशी ताकतों को कभी स्वीकार नहीं किया। साल 2021 में अमेरिका ने अप्रत्याशित रूप से अपने सैनिकों को अफगानिस्तान से रातोंरात वापस बुला लिया था जिसके बाद से वहां तालिबान का शासन है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान के तालिबान शासन को बगराम एयरबेस वापस नहीं करने पर बुरे नतीजे की

धमकी दी है। उन्होंने दुश् सोशल पर लिखा कि अफगानिस्तान बगराम एयरबेस को उसके निर्माता यानी अमेरिका को वापस नहीं किया गया तो बहुत बुरा होगा। इससे पहले ब्रिटेन दौर पर ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की स्टार्मर के साथ प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका बगराम एयरबेस को वापस पाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप का दावा है कि चीन के परमाणु हथियार बनाने वाले इलाके से यह बेस सिर्फ एक घंटे की दूरी पर है इसलिए अमेरिका के लिए

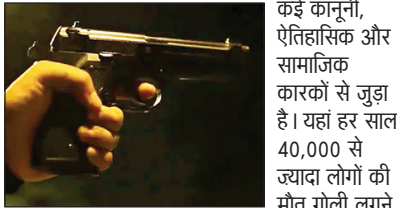
रणनीतिक रूप से बहुत अहम है।

अफगानिस्तान का सबसे बड़ा सैन्य ठिकाना रहे बगराम एयरबेस का अमेरिका ने बीस साल तक इस्तेमाल किया। साल 2021 में अमेरिकी सेना ने अप्रत्याशित रूप से भारी अफरातफरी के बीच रातोंरात अफगानिस्तान से वापसी की थी। जिसके बाद काबुल एयरपोर्ट पर मची अफरातफरी और आत्मघाती हमले में 13 अमेरिकी सैनिकों समेत 170 लोग मारे गए थे।

न्यूज़ ब्रीफ

हर साल गोली लगने से 40 हजार लोगों की मौत.....अमेरिका में बंदूक रखना शान की बात

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे ताकतवार मुल्क अमेरिका में बंदूक संस्कृति (गन कल्चर) एक जटिल मुद्दा है, जो



कई कानूनी, ऐतिहासिक और सामाजिक कारकों से जुड़ा है। यहां हर साल 40,000 से ज्यादा लोगों की मौत गोली लगने से होती है, इसमें आत्महत्याएं भी शामिल हैं। इसके बावजूद, अमेरिका में गन रखना बेहद आम है, और हर साल लाखों नई बंदूकें बिकती हैं। हर साल लगभग 1.8 से 2 करोड़ नई बंदूकें बेची जाती हैं दरअसल गन कल्चर के मुख्य कारण अमेरिकी संविधान के सेकंड अमेंडमेंट में नागरिकों को हथियार रखने और धारण करने का अधिकार मिला है। यह अधिकार स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक प्रावधान माना जाता है। अमेरिका के शुरुआती इतिहास में, हथियारों का इस्तेमाल आत्मरक्षा और स्वतंत्रता के लिए जरूरी था, खासकर जब यूरोपीय उपनिवेशवासी यहां आए थे। यह मानसिकता आज भी गहरी जड़ें जमाए हुए है। इतना ही नहीं बहुत से अमेरिकी नागरिक मानते हैं कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए बंदूक रखना आवश्यक है, खासकर अपराध दर बढ़ने पर। यह भावना गन की बिक्री को और बढ़ावा देती है। अमेरिका में नेशनल राइफल एसोसिएशन (एनआरए) जैसी गन लोबी बेहद शक्तिशाली है। ये समूह बंदूक रखने के अधिकार का बचाव करते हैं और सख्त गन नियंत्रण कानूनों का विरोध करते हैं। ये लोबीज राजनेताओं पर दबाव डालकर कानून बनने से रोकती हैं। गन सिर्फ आत्मरक्षा का साधन नहीं, बल्कि शिकार, खेल और संग्रह का भी एक हिस्सा है। कुछ लोग बंदूकें जमा करना पसंद करते हैं, और यह उनकी संस्कृति का एक अंग बन गया है। अमेरिका में बंदूकें खरीदना अपेक्षाकृत आसान है, हालांकि कुछ राज्यों में नियम थोड़े सख्त हैं। यही कारण है कि एक व्यक्ति के पास कई-कई बंदूकें होना असामान्य नहीं है। नेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन (एनएसएसएफ) के अनुसार, हर साल लगभग 1.8 से 2 करोड़ नई बंदूकें बेची जाती हैं।

सरूदी अरब की पाकिस्तान के परमाणु हथियारों तक पहुंच हुई संभव



रियाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सरूदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने एक आपसी रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, इस समझौते को नाटो की तर्ज पर बनाया गया बताया जा रहा है। इस समझौते के तहत, किसी भी एक देश पर होने वाला हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सरूदी अरब ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों तक पहुंच हासिल कर ली है। यह कई वर्षों से सरूदी अरब की एक बड़ी इच्छा थी। अब, ऐसा माना जा रहा है कि सरूदी अरब ने अपनी खुद की परमाणु क्षमता विकसित किए बिना ही पाकिस्तान से परमाणु छतरी किराए पर ले ली है। 1971 के युद्ध में भारत से हार के बाद, पाकिस्तान ने परमाणु बम बनाने का फैसला किया। सरूदी अरब ने परमाणु कार्यक्रम को फंड दिया, वयोक्ति सउदी को ईरान और इराक जैसे देशों से खतरा था और इस लिए सउदी को एक मजबूत सुननी सहयोगी की आवश्यकता थी। 1970 के दशक में, जब पाकिस्तानी वैज्ञानिक अब्दुल कदोर खान ने परमाणु बम कार्यक्रम शुरू किया, तब सरूदी अरब ने इसके लिए पैसा दिया।

दुनिया में तयों चलन में बढ़ रहा फ्लाइंग नैकेड ट्रेंड.....तया है इसका मतलब

नई दिल्ली। फ्लाइंग नैकेड ट्रेंड का मतलब है कि हवाई यात्रा करने वाले लोग अपने सामान को फ्लाइट के साथ ले जाने के बजाय, सामान को डाक के द्वारा मंगवाते हैं या फिर अतिरिक्त सामान को खुद ही पहन लेते हैं ताकि उन्हें एयरलाइंस द्वारा लगाए जाने वाले महंगे सामान चार्ज से बचा जा सके। यह सुनने में आपको अजीब लग सकता है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि लोग बिना कपड़ों के यात्रा करते हैं। इस ट्रेंड में लोग भारी या ज्यादा वजन वाले बैग से बचने के लिए, अपनी जरूरत की चीजें और कपड़े कई परतों में पहन लेते हैं, ताकि वे लगेज पर लगने वाली फीस से बच सकें। दरअसल आज लोग इस ट्रेंड को इसलिए अपना रहे हैं, क्योंकि एयरलाइंस ने लगेज के लिए चार्ज बहुत बढ़ा दिए हैं। बैग का वजन ज्यादा होने पर शुल्क भी उसी हिसाब से बढ़ता जाता है, जो यात्रियों के लिए बहुत महंगा पड़ता है। रिपोर्ट के अनुसार, एक महिला ने 1,000 डॉलर (करीब 88,000 रुपये) का बिल बचाने के लिए तरीके को अपनाया था, जबकि एक शिक्षक ने 600 डॉलर बचाए थे। यह साफ दिखाता है कि लगेज पर लगने वाला शुल्क बहुत ज्यादा है, और लोग इससे बचने के लिए यह तरीका अपना रहे हैं।

यूएन में अमेरिका के राजदूत होंगे व्हाइट हाउस के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, आठ महीने से खाली था पद

वाशिंगटन, 21 सितंबर (एजेंसियां) । अमेरिकी सीनेट नेमाइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में अमेरिका का राजदूत नियुक्त करने के लिए वोट किया है। यह पद पिछले आठ महीनों से खाली था। माइक व्हाइट हाउस के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, वाल्ट्ज की पुष्टि के लिए 47 सांसदों ने पक्ष में और 43 ने विरोध में मतदान किया। अब वे अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होंगे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वार्षिक सभा को संबोधित करने वाले हैं।

एनबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट में सुनवाई के दौरान वाल्ट्ज ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत है। उन्होंने अमेरिकी फंडिंग की समीक्षा और संगठन में यहूदी विरोधी रवैये को खत्म करने की बात कही थी। माइक



वाल्ट्ज जनवरी से ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में कार्यरत थे, लेकिन मार्च में यमन में आगामी हमले पर चर्चा कर रहे वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक निजी सिप्रल चैट में गलती से एक पत्रकार को जोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने पद छोड़ दिया।

27 मार्च को, ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत के रूप में रिपब्लिकन एलिस स्टेफनिक

भारत ने दुनिया को फिर चौंकाया, यूएन में फिलिस्तीन के समर्थन में दिया वोट, इजरायल-अमेरिका भी रह गए हैरान

संयुक्त राष्ट्र, 21 सितंबर (एजेंसियां) । संयुक्त राष्ट्र में हुए एक अहम प्रस्ताव पर वोटिंग के दौरान भारत ने अपनी विदेश नीति से सबको चौंका दिया। मौका था फिलिस्तीन से जुड़ा एक प्रस्ताव, जिसमें राष्ट्रपति महमूद अब्बास को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संयुक्त राष्ट्र के सत्र को संबोधित करने की इजाजत देने की बात थी। जब इस प्रस्ताव पर वोटिंग हुई तो भारत ने इसके समर्थन में वोट डाला – और यही बात चर्चा में आ गई। सबसे बड़ी बात ये रही कि जब इजरायल और अमेरिका इस प्रस्ताव के खिलाफ खड़े थे, भारत ने फिलिस्तीन का साथ दिया। भारत आम तौर पर इजरायल का करीबी माना जाता है,

ऐसे में ये स्टैंड सभी को हैरान कर गया।दरअसल, अमेरिका ने फिलिस्तीनी नेताओं को वीजा देने से मना कर दिया था, जिस वजह से वे खुद संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में शामिल नहीं हो सकते थे। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा में 'फिलिस्तीन राष्ट्र की भागीदारी' नाम से प्रस्ताव लाया गया। इस पर 145 देशों ने समर्थन में वोट दिया, 5 देश खिलाफ रहे और 6 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया।भारत भी उन 145 देशों में शामिल था जिन्होंने फिलिस्तीन के पक्ष में मतदान किया। इससे यह साफ हो गया कि भारत अपनी नीति में संतुलन बनाकर चल रहा है – एक तरफ इजरायल के साथ

गहरी साझेदारी और दूसरी तरफ फिलिस्तीन के हक की आवाज भी। इस पूरे घटनाक्रम ने दुनिया के सामने भारत की कूटनीतिक समझदारी को फिर साबित कर दिया है। अब सवाल उठ रहे हैं – भारत कैसे इजरायल के साथ दोस्ती भी बिना रहा है और फिलिस्तीन के अधिकारों की भी वकालत कर रहा है, वो भी बिना किसी रिस्ते को नुकसान पहुंचाए?बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र 23 सितंबर से शुरू हो रहा है, जिसमें राष्ट्रपति महमूद अब्बास 25 सितंबर को दुनिया के नेताओं को वचुअली संबोधित करेंगे। भारत के इस कदम ने यह भी दिखा दिया।



न्यूयॉर्क। हॉंग कॉंग में दूसरे विश्वयुद्ध का करीब 100 साल पुराना बम मिलने के बाद अफरा-तफरी मच गई। एक इमारत के निर्माण के दौरान जब भारी-भरकम बम मिला तो प्रशासन सक्रिय हो गया और पूरा इलाका खाली करवा लिया। बम से मरी दहशत के बीच करीब 6000 लोगों को उस इलाके से दूर भेज दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बम का वजन 450 किलो के आसपास है और इसकी लंबाई 1.5 मीटर है। पुलिस का कहना है कि बम बेहद खतरनाक है और इसे नष्ट करने के दौरान फटने का खतरा है। बम को डिस्पोज करने का अभियान शुरू कर दिया गया। इस बम का वजन 450 किलो और लंबाई 1.5 मीटर, लोग दहशत में मीडिया के मुताबिक आसपास की 18 बिल्डिंगों को खाली करवा दिया है। इसके बाद पुलिस ने डोर टू डोर जाकर मुआयना किया कि कोई इसमें रहे तो गया है। बता दें दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान हॉंग-कॉंग और जापान के बीच भीषण युद्ध हुआ था। यहां अब भी कई बार खुदाई में फंटे हुए बमों के अवशेष मिलते हैं। साल 2018 में इसी तरह का बम वान चाई जिले में मिला था। इसके बाद 1200 लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया था। इस बम को नष्ट करने में करीब 20 घंटे लगे थे। वहीं इस साल जून में जर्मनी में तीन जिंदा बम मिलने के बाद 20 हजार लोगों को अपने घरों को छोड़ना पड़ा था।

ट्रंप ने पोस्ट कर बताया- चीनी नेता ने टिकटॉक डील को मंजूरी दे दी मैं जल्द चीन जाऊंगा, वे अमेरिका आएंगे

वाशिंगटन, 21 सितंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर बातचीत कर घोषणा की कि चीनी नेता ने टिकटॉक डील को मंजूरी दे दी है। समझौते के तहत सोशल मीडिया एप टिकटॉक अमेरिका में संचालन जारी रख सकेगा। ट्रंप ने पोस्ट कर बताया कि वह टिकटॉक अनुमोदन की सराहना करते हैं और अगले महीने दक्षिण कोरिया में होने वाले शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति शी से मिलने की उम्मीद करते हैं। ट्रंप ने लिखा, मैंने शी के साथ फोन पर उपयोगी बातचीत की। मैंने व्यापार, फंटेनाइल, रूस-यूक्रेन युद्ध की समास करने की आवश्यकता और टिकटॉक डील के अनुमोदन सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रगति की। मैंने राष्ट्रपति शी से सहमति जाहिर किए हम एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में मिल रहे हैं, मैं अगले साल की शुरुआत में चीन जाऊंगा और शी भी उपयुक्त समय पर अमेरिकी दौरे पर आएंगे। चीनी पक्ष के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच बातचीत व्यावहारिक,



सकारात्मक और रचनात्मक रही। टिकटॉक पर जिनपिंग ने कहा कि चीन की स्थिति स्पष्ट है वह कंपनियों की इच्छाओं का सम्मान करता है और उन्हें बाजार नियमों के आधार पर वाणिज्यिक वार्ता करने तथा चीनी कानूनों और विनियमों के अनुसार

समाधान निकालने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि अमेरिका चीनी कंपनियों को निवेश के लिए खुला, निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण माहौल उपलब्ध कराएगा। शी ने हाल ही में दोनों टीमें के बीच हुई वार्ताओं की सराहना



दिन ही करीब दर्जन भर नेपाली नागरिकों की हत्या करने के साथ ही कई नेपाली नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था। मारे गए नेपाली नागरिकों में अधिकतर छात्र थे, उनके साथ स्वदेश लाये जा चुके हैं। सैकड़ों नेपाली नागरिकों को भी

सुरक्षित नेपाल लाया जा चुका है, लेकिन हमास के कब्जे से नेपाली युवक विपिन जोशी की अब तक रिहाई नहीं हो पाई है। अब कैदियों की विदाई तस्वीरों में विपिन के दिखने से उसे भी नेपाल लाये जाने की संभावना बढ़ गई है।

गाजा से रिहा 48 कैदियों की विदाई तस्वीर में दिखाई दिए नेपाल के विपिन जोशी

काठमांडू, 21 सितंबर (एजेंसियां) ।

हमास की सशस्त्र शाखा ने गाजा में बंद 48 इजरायली कैदियों को रिहा कर दिया है। विदाई तस्वीर में नेपाल के विपिन जोशी भी दिखाई दिए हैं। अब हमास के कब्जे से छुड़कर नेपाली युवक विपिन जोशी को भी नेपाल लाये जाने की संभावना बढ़ गई है।

अल जजीरा समाचार एजेंसी के अनुसार हमास ने इजरायली कैदियों की विदाई फोटो ऐसे समय जारी की है, जब इजरायली सेना घेरे हुए क्षेत्र के सबसे बड़े शहर को नष्ट करने और उस पर नियंत्रण करने के अपने अभियान को जारी रखे हुए है। क्रस्माम विगडे ने शनिवार को तस्वीरों का एक संकलन ऑनलाइन पोस्ट किया, जिसमें जीवित और मृत कैदियों के चेहरे दिखाई दे रहे हैं। कैप्शन में उन सभी को रॉन अराद कहा गया है।

हमास की ओर से जारी फोटो में लिखा है, यह एक विदाई फोटो है, क्योंकि नेतयाहू के इनकार और जमीर के आत्मसमर्पण के कारण गाजा शहर में सैन्य अभियान शुरू हो गया है। हमास ने दावा किया है कि इजरायल के व्यापक जमीनी और हवाई हमलों ने गाजा पट्टी में बंद कैदियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है।

हमास की ओर से इजरायल पर हमले के पहले

सिंधु जल संधि को लेकर यूएन में भारत ने पाक को फटकारा

जिनेवा । भारत ने पाकिस्तान पर जोरदार हमला बोला है। दरअसल, अप्रैल में फलगााम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। इस पर पाकिस्तान ने हंगामा किया, जिस पर भारत ने कहा है कि स्थायी सहयोग भरोसे पर टिका होता है, आतंक पर नहीं। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सत्र को संबोधित करते हुए भारतीय राजनयिक अनुष्मा सिंह ने कहा कि 1960 में सिंधु जल संधि दोस्ती और आपसी सहयोग की भावना से की गई थी, लेकिन 1960 की दुनिया, आज की दुनिया जैसी नहीं थी। आतंक नहीं, भरोसे पर टिका होता है उन्होंने कहा कि हम गहरी चिंता है कि एक ख़ास प्रतिनिधिमंडल लगातार और जानबूझकर परिषद की कार्यवाही को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहा है। ऐसे कदम न सिर्फ इस मंच की गंभीरता को कमजोर करते हैं बल्कि असली मुद्दों से ध्यान भी भटकाते हैं। भारत के आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते वाले रुख को दोहराते हुए अनुष्मा सिंह ने कहा कि पाकिस्तान से लगातार हो रहा राज्य प्रायोजित आतंकवाद संधि के पालन की भावना को खत्म कर देता है। असली सहयोग भरोसे पर टिका होता है उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का बढ़ता असर, तकनीक की प्रगति और स्वच्छ ऊर्जा की जरूरत यह मांग करती है कि इस संधि की प्रासंगिकता और उपयोगिता की गंभीर समीक्षा की जाए।

कर कहा कि उन्होंने समानता, सम्मान और पारस्परिक लाभ की भावना को प्रदर्शित किया। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अमेरिका को एकतरफा व्यापार प्रतिबंधात्मक कदमों से बचना चाहिए ताकि कई दौर की वार्ताओं से हासिल उपलब्धियां

प्रभावित न हों। इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने ऐलान किया था कि चीन के साथ टिकटॉक पर एक ढांचा समझौता कर लिया है। इन वार्ताओं का नेतृत्व अमेरिकी पक्ष से वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने किया।



इरफान पठान और शाहिद अफरीदी के बीच जुबानी जंग जारी

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के मैदान पर भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मुकाबला जारी है, वहीं दोनों देशों के पूर्व क्रिकेटरों के बीच जुबानी जंग भी तेजी से बढ़ती जा रही है। इस विवाद की शुरुआत अगस्त में हुई थी, जब इरफान पठान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अफरीदी के साथ पलाइट में हुए टकराव का जिक्र किया।

उन्होंने खुलासा किया कि एक बार उन्होंने रज्जाक से पाकिस्तानियों के खाने के बारे में मजाकिया अंदाज में सवाल किया और अफरीदी इस पर प्रतिक्रिया नहीं दे पाए। इरफान पठान ने इंटरव्यू में कहा था, 'मैंने रज्जाक से पूछा कि पाकिस्तानियों का मांस कैसा होता है और क्या कुत्ते का मांस उपलब्ध होता है। मुझे सुनकर रज्जाक हैरान रह गए और पूछे, 'अरे इरफान, तुम यह क्यों पूछ रहे हो?' मैंने जवाब दिया कि अफरीदी इतना लंबा समय भौंकता रहा है। इसके बाद अफरीदी कुछ नहीं कह पाए। इस बयान के बाद अफरीदी नाराज हो गए और उन्होंने मीडिया से कहा कि वे केवल तभी जवाब दे सकते हैं जब किसी ने उनकी आंखों में आंव डालकर बात की हो। उन्होंने सवाल किया, मैं

केवल तभी जवाब दे सकता हूँ जब वह मेरे सामने बात करें। मैं उसके झूठ का कैसे जवाब दूँ? अफरीदी के जवाब के बाद इरफान पठान ने सोशल मीडिया के माध्यम से ताजा तंज कसा है। पठान ने शनिवार सुबह ट्वीट किया, आप लोग सही कहते हैं: 'ये पड़ोसी एक्स खिलाड़ी और मीडिया इरफान पठान के नाम से आसक्त हैं।' इस बयान में पठान ने साफ संकेत दिया कि अफरीदी की हालिया टिप्पणियां सोधे उनके बारे में थीं और विवाद में उनकी भूमिका को लेकर अब नए रंग नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह जुबानी जंग दोनों पूर्व क्रिकेटरों के बीच व्यक्तिगत स्तर पर बढ़ रही है और मीडिया ने इसे और व्यापक बना दिया है। एशिया कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के दौरान यह विवाद फैस

और सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहा। पठान और अफरीदी दोनों ही अपने-अपने देश के सम्मान और क्रिकेट इतिहास को लेकर भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं। अब सवाल यह है कि क्या यह जुबानी जंग मैदान पर खेल को प्रभावित करेगी या यह केवल सोशल मीडिया और मीडिया हेडलाइंस तक सीमित रहेगी। दोनों ही पूर्व क्रिकेटरों की इस बातचीत ने क्रिकेट फैस के बीच रोचक बहस शुरू कर दी है, और लोग उत्साहित हैं कि आगे दोनों के बीच क्या बयानबाजी सामने आती है। इस मामले में साफ है कि खेल की गरिमा के साथ-साथ व्यक्तिगत टकराव भी कभी-कभार सामने आ जाता है, जिसे लेकर फैस के बीच उत्सुकता लगातार बनी रहती है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय धरती पर तेज गेंदबाजों से सीरीज पलटने की उम्मीद है सैमी को



अहमदाबाद। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने भारतीय सरजमीं पर अपनी टीम के तेज गेंदबाजों की ताकत पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम का तेज गेंदबाजी आक्रमण इतना मजबूत और विविधता से भरा है कि किसी भी परिस्थिति में मैच का रुख पलट सकता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में और दूसरा 10 अक्टूबर को दिल्ली में खेला जाएगा। मीडिया से बातचीत में सैमी ने कहा, टीम में चार अलग-अलग तरह के तेज गेंदबाज हैं, जिनकी अपनी खासियतें हैं और यही हमारी असली ताकत है। शमर जोसेफ, जेडन सील्स, अलजारी जोसेफ और एंडरसन फिलिप सभी विभिन्न परिस्थितियों में विकेट निकालने में सक्षम हैं। इसके साथ ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स भी विकल्प के रूप में मौजूद हैं इन्होंने विशेष रूप से शमर को कुशल, जेडन सील्स को गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने में माहिर और अलजारी जोसेफ को अपने कद, गति और उछाल के कारण खतरनाक बताया। सैमी ने उम्मीद जताई कि उनका तेज गेंदबाजी संयोजन भारतीय हालात में भी बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित होगा और टेस्ट मैच में 20 विकेट लेने की क्षमता रखता है। कोच ने न्यूजीलैंड की भारत में पिछली साल की सफलता से भी प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने कहा, पिछले साल कीवी टीम ने भारत में 3-0 से जीतकर इतिहास रचा। हमें उनसे सीखना चाहिए कि किन परिस्थितियों में उन्होंने कोन-सी रणनीति अपनाई।

पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे पेट किमिस एशेज में सैमी टेस्ट मैच खेलने की उम्मीद



सिड्नी। पीठ में दर्द की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पेट किमिस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते हैं। किमिस ने एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। किमिस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वे पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। किमिस ने कहा, लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गेमियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तब हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करेंगे।। सच कहूँ तब यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है। किमिस ने इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती। लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि यह संभावना नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया पूरी गेमियों में एक अपरिवर्तित आक्रमण के साथ टिकेगा। उन्होंने कहा, ज्यादातर सालों में, कम से कम एक गेंदबाज तब खेल ही जाता है। जोश हेजलवुड पिछले साल आखिरी हाफ में नहीं खेल पाए थे।

जतिंदर सिंह ने भारतीय टीम से एनसीए में प्रशिक्षण की गुहार लगाई



अबु धाबी। जतिंदर सिंह की कप्तानी में ओमान टीम को एशिया कप 2025 में भारत के खिलाफ 21 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, हार के बावजूद ओमान के बल्लेबाजों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 189 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ओमान ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर 167 रन बनाए। आमिर कलीम ने 64 रन, हम्माद मियां ने 51 और कप्तान जतिंदर ने 32 रन का योगदान दिया। मैच के बाद जतिंदर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से गुहार लगाई कि उनकी टीम को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में प्रशिक्षण की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों की तकनीक, मानसिक तैयारी और फिटनेस में सुधार होगा और एसोसिएट देशों और टेस्ट खेलने वाले देशों के बीच की खाई पाटने में मदद मिलेगी। जतिंदर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि अगर हम भारत को अपना दूसरा घर बना सकें, एनसीए में ट्रेनिंग ले सकें, टी20 मैच खेल सकें और वलब तथा राजकी टीमों के साथ अभ्यास कर सकें, तो हमारे लिए यह बहुत फायदेमंद होगा। हम एक एसोसिएट नेशन हैं और हमें टेस्ट खेलने वाले देशों के साथ खेलने के मौके नहीं मिलते।

एक और क्रिकेट युद्ध में पाकिस्तान परास्त

अभिषेक शर्मा-शुभमन गिल के दम पर भारत ने 6 विकेट से रौंद डाला

दुबई, 21 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के एक ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी। जिस अंदाज में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई, वह बिल्कुल 'हम सिर्फ मारेंगे नहीं, घसीटेंगे भी' वाले फिल्मी डायलॉग की तरह था। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 171 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय ओपनरों की विस्फोटक बल्लेबाजी ने इसे बौना साबित कर दिया। **अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल का धमाकेदार प्रदर्शन**

टीम इंडिया के दो बचपन के यार, शुभमन गिल (47 रन) और अभिषेक शर्मा (74 रन) ने दुबई स्टेडियम में ऐसा जलवा दिखाया कि दर्शक भी उस 'हीट वेव' को महसूस कर रहे थे। भारतीय टीम ने 18.5 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे यह साबित हो गया कि पाकिस्तान की क्रिकेट भारत से कई सालों पीछे है। भारत के लिए विजयी शॉट तिलक वर्मा (19 गेंद, 2 चौके और 2 छक्के, नाबाद 30 रन) ने 19वें ओवर की 5वीं गेंद पर शाहीन अफरीदी को चौका जड़कर लगाया।युवराज सिंह के शिष्य अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने पारी का आगाज किया। पिछले मैच की तरह, अभिषेक शर्मा ने पहली ही गेंद पर बाउंड्री से शुरुआत की। पिछली बार शाहीन को चौका पड़ा था, इस बार प्रमोशन के साथ अभिषेक ने छक्का जड़कर स्वागत किया। इसके बाद तो बाउंड्री की बौछार कर दी।



शाहिद अफरीदी के दामाद (शाहीन अफरीदी) को यह कुटाई पसंद नहीं आई तो उन्होंने कुछ कहा, जिस पर अभिषेक ने आंखों ही आंखों में बता दिया 'उलझो मत'।

अभिषेक ने तोड़ा गुरु युवराज का रिकॉर्ड, गिल का शानदार साथ
देखते ही देखते, 8वें ओवर में अभिषेक शर्मा ने मात्र 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करते हुए अपने गुरु युवराज सिंह का पाकिस्तान के खिलाफ 29 गेंदों में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दूसरी ओर, शुभमन गिल ने मैदानी शॉट्स खेलते हुए अपने बचपन के दोस्त का बखूबी

साथ दिया। भारत ने 10 ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। गिल 28 गेंदों में 8 चौके की मदद से 47 रन बनाकर फहीम अशराफ की एक गेंद पर आउट हुए। उन्होंने और अभिषेक शर्मा ने 105 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव खाता नहीं खोल सके और हारिस रऊफ की गेंद पर आउट हुए।

अभिषेक शर्मा शतक के करीब थे, लेकिन अबरार अहमद को छक्का उड़ाने के चक्कर में कैच थमा बैठे। उन्होंने 39 गेंदों में 6 चौके और 5 छक्कों के दम पर 74 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इसके

बाद तिलक वर्मा और संजू सैमसन ने मोर्चा संभाला। भारत जीत के करीब था, तभी संजू को रऊफ ने क्लीन बोलड कर दिया। वह 17 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान के लिए अबरार अहमद को 4 ओवर में 42 रन पड़े, जबकि शाहीन अफरीदी ने 3.5 ओवरों में 40 रन दिए।

पाकिस्तान की पारी: फरहान का अर्धशतक और दुबे की दो विकेट

इससे पहले, सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान के अर्धशतक से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 5 विकेट पर 171 रन बनाए। फरहान ने 45 गेंद में पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने सैम अयूब (21) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी भी की। मोहम्मद नवाज (21) और फहीम अशराफ (नाबाद 20) ने भी उपयोगी योगदान दिया। भारत की तरफ से शिवम दुबे ने 33 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि हार्दिक पंड्या (29 रन पर एक विकेट) और कुलदीप यादव (31 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया। जसप्रीत बुमराह महंगे साबित हुए और उन्होंने चार ओवर में 45 रन लुटाए। फहीम मो ने 4 ओवर में 31 रन खर्च किए और एक विकेट लिया।भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला

किया था। फरहान मैच की तीसरी ही गेंद पर भाग्यशाली रहे, जब पंड्या की गेंद पर थर्डमैन पर अभिषेक शर्मा ने उनका कैच टपका दिया। फखर जमां (15) ने बुमराह पर लगातार दो चौके जड़कर अपने तेवर दिखाए और हार्दिक की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। हालांकि, वह अगली गेंद पर विकेटकीपर संजू सैमसन को कैच दे बैठे।अयूब अगले ओवर में भाग्यशाली रहे, जब वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर कुलदीप उनका आसान कैच लपकने में नाकाम रहे। फरहान ने बुमराह पर दो और चौके मारे, जिससे पाकिस्तान ने पावरप्ले में एक विकेट पर 55 रन बनाए। फरहान ने अक्षर पर छक्के के साथ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। दुबे ने अयूब को अभिषेक के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। बाउंड्री के सूखे के बीच हुसैन तलत (10) कुलदीप की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में शॉर्ट थर्डमैन पर चक्रवर्ती को कैच दे बैठे। फरहान भी दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में मिडऑफ पर सूर्यकुमार को कैच थमा बैठे। मोहम्मद नवाज रन आउट हुए। फहीम अशराफ ने आते ही बुमराह पर छक्का जड़ा और 19वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया।टॉस के समय सूर्यकुमार और उनके पाकिस्तानी समकक्ष सलमान आगा ने हाथ नहीं मिलाए, जिसा कि लीग मैच में भी हुआ था। जैसबाब्बे के एंडी पायक्रॉफ्ट मैच रेफरी के रूप में बरकरार थे और टॉस के समय मौजूद थे। दोनों कप्तानों ने अपनी-अपनी टीम की शीट पायक्रॉफ्ट को सौंपी, जिन्होंने टॉस से पहले कप्तानों के साथ शीट का आदान-प्रदान किया।



चीन में बिली जीन कप किंग कप सेमीफाइनल में खेलती हुई अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी जैसिका पेगुला।

मिथुन मन्हास बन सकते हैं नये बीसीसीआई अध्यक्ष

मुम्बई, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली क्रिकेट टीम के कप्तान रहे मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नय अध्यक्ष बन सकते हैं। मन्हास अगर अध्यक्ष बनते हैं तो वह वह इस पद पर पहुंचने वाले पहले अनकैड क्रिकेटर होंगे। 45 साल के मन्हास का नाम बोर्ड अध्यक्ष के लिए बीसीसीआई की आम बैठक में सामने आया है। बोर्ड अध्यक्ष के लिए नामांकन जमा करने की अंतिम तारीख रविवार है और इसके लिए चयन 28 सितंबर को होगा। पिछले कुछ साल से बोर्ड अध्यक्ष पूर्व क्रिकेटर बनते आये हैं।

साल 1997/98 सत्र से मन्हास का करियर शुरू हुआ था। वह मध्यक्रम के बल्लेबाज रहे हैं। राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण



और सोरब गांगुली जैसे दिग्गजों के दौर में उन्हें अवसर नहीं मिल पाया पर घरेलू क्रिकेटर में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर के राष्ट्रीय टीम में रहने के कारण मन्हास ने घरेलू क्रिकेट में अधिकतर समय दिल्ली टीम की कप्तानी की है।

मन्हास ने साल 2007/08 सत्र में दिल्ली की टीम की ओर से रणजी में 57.56 की औसत से

921 रन बनाए। साल. 2015 में उन्होंने दिल्ली से जम्मू और कश्मीर के लिए रणजी ट्रॉफी खेलनी शुरू की। थे. क्रिकेट के अवसरों की तलाश में बाद में राजधानी शहर में चले गए,

इस क्रिकेटर ने कुल मिलाकर 157 फर्स्ट क्लास मैच खेले जिसमें 9714 रन बनाए 45 से अधिक की औसत से 27 शतक लगाए। इन्होंने से 8554 रन 206 रणजी ट्रॉफी पारियां में बनायेहैं। उन्होंने 130 लिस्ट ए मैच भी खेले जिसमें 4126 रन बनाए और 91 टी20 मैच खेले जिसमें दिल्ली के लिए 1170 रन बनाए। मन्हास ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन फ्रेंचाइजी की ओर से भी खेल है।. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत दिल्ली डेयरडेविल्स से की जहां उन्होंने 2008 से 2010 के बीच खेला। वहीं वह साल 2011 से 2013 के बीच अब-पुणे वॉरियर्स में चले गए। उन्होंने 2014 में चेन्नई सुपर किंग्स में एमएस धोनी की कप्तानी में खेला। सात सत्र में लीग में 55 मैचों में उन्होंने 22.34 की औसत से 514 रन बनाए। 2017 में वह पंजाब के सहायक कोच बने। वहीं बांग्लादेश अंडर-19 टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के अलावा आरसीबी और गुजरात टाइटन्स में सहायक कोच की जिम्मेदारी संभाली है।

यशस्वी जायसवाल ने एशिया कप स्कॉड से नजरअंदाज किए जाने पर तोड़ी चुप्पी

दुबई, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय टीम का एशिया कप 2025 में प्रदर्शन शानदार रहा है। टीम ने लीग स्टेज के सभी मुकाबले जीतकर सुपर-4 में प्रवेश किया है, जहां उसका पहला मुकाबला पड़ोसी देश पाकिस्तान से होगा। भारतीय स्कॉड में अधिकांश खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को मेन स्कॉड में जगह नहीं मिली, जिनमें यशस्वी जायसवाल का नाम भी शामिल है। इस बीच, जायसवाल ने एशिया कप स्कॉड से नजरअंदाज किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि खिलाड़ियों का चयन चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह सिर्फ अपनी कड़ी मेहनत और प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। यशस्वी ने टेस्ट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन टी20



जैसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें अभी भी संघर्ष करना पड़ रहा है। एशिया कप के लिए टीम चयन के समय यशस्वी का नाम शामिल

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा, उपकप्तान के रूप में शुभमन गिल की एंटी के बाद जायसवाल को भारतीय टीम में आने के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

यशस्वी ने कहा, ये सब चयनकर्ताओं के हाथ में होता है। वे इसे टीम संयोजन के नजरिए से देखते हैं। मैं मेहनत जारी रखूंगा और मुझे पता है मेरा समय आएगा। तब तक, मैं खुद पर काम करता रहूंगा और बेहतर करता रहूंगा। 23 टी20 मैचों में यशस्वी ने 723 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 164.31 का रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की निरंतरता भारतीय टीम के लिए भविष्य में बड़ी ताकत साबित हो सकती है।

पटना पाइरेट्स ने पेशेवर कुश्ती लीग में दबंग दिल्ली को हराया

जयपुर। पटना पाइरेट्स ने पेशेवर कुश्ती लीग (पीकेएल) 12 में दबंग दिल्ली केंसी को हरा दिया। इसी के साथ ही पटना की छह मैचों से चली आ रही जीत का सिलसिला थम गया है। पटना पाइरेट्स ने अंतिम रेंड में नीरज नरवाल को पकड़ कर 33-30 के अंतर से मैच पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ ही दिल्ली को इस सत्र में पहली बार हार का सामना करना पड़ा। वहीं पटना को सात मैचों में दूसरी बार विजय मिली है। पटना की ओर से अंकित ने 12 अंक लेकर अहम भूमिका निभाई। वहीं दिल्ली की ओर से आशु मलिक ने 6 अंक जबकि नीरज नरवाल ने 8 अंक जुटाये। दूसरी ओर पटना की ओर से कप्तान अंकित ने 6 अंक बटोरे। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मिमिंट में ही 4-1 से बढ़त हासिल कर ली थी पर सुधाकर ने फजल को पकड़ दो अंक का अंतर कर दिया। अजिंक्य को पकड़ अंकित ने स्कोर 3-4 कर दिया। सोरव ने मिशन को पकड़ा जबकि अयान ने अछा बचाव करते हुए नीरज को लपक कर स्कोर 4-6 कर दिया।



एनटीपीसी विदेशों में यूरेनियम संपत्तियों का अधिग्रहण करेगी

स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम, माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की परियोजना से होगी शुरुआत

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करने जा रही है। कंपनी अपनी भावी परियोजनाओं के लिए विदेशों

में यूरेनियम संपत्तियों के अधिग्रहण की योजना बना रही है, जिससे परमाणु ईंधन की सुनिश्चित आपूर्ति हो सके। एनटीपीसी ने यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के मसौदे को मंजूरी दी है। इसके तहत विदेशों में यूरेनियम खनिजों की तकनीकी और वाणिज्यिक जांच की जाएगी। यूरेनियम एक प्राकृतिक धातु है, जिसका उपयोग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में ईंधन के रूप में होता है। एनटीपीसी, जिसकी

कुल स्थापित क्षमता 83,026 मेगावाट है, अब कोयला, गैस, जल और सौर ऊर्जा के साथ परमाणु ऊर्जा को भी अपने ऊर्जा मिश्रण में शामिल कर रही है।

परमाणु क्षेत्र में इसकी पहली परियोजना राजस्थान के माही-बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की होगी, जिसे न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के साथ संयुक्त उद्यम 'अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड' के माध्यम से विकसित किया जाएगा। इसके

अलावा, कंपनी ने जनवरी 2025 में अपनी सहायक इकाई एनटीपीसी न्यूक्लियर एनर्जी लिमिटेड की स्थापना भी की है। एनटीपीसी, अमेरिका की क्लीन कोर थोरियम एनर्जी जैसी कंपनियों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रही है। भारत सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित की जाए। फिलहाल देश की कुल ऊर्जा क्षमता में परमाणु ऊर्जा का योगदान सिर्फ 2 फीसदी (8,180 मेगावाट) है।

न्यूज़ ब्रीफ

पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए आज अमेरिका के दौरे पर जाएंगे



नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल आज 22 सितंबर को व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका का दौरा करेंगे। उनके नेतृत्व में एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी पक्ष के साथ बैठक के लिए दौरे पर जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी पक्ष के साथ बैठक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेगा। वाणिज्य मंत्री के साथ मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और अन्य अधिकारी भी दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे। गोयल अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिकी टीम से मुलाकात कर व्यापार समझौते को पूरा करने की कोशिश करेंगे। मंत्रालय के अनुसार प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। इससे पहले अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों का भी एक दल 16 सितंबर को भारत आया था। इस दौरान व्यापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई थी और इस संबंध में प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया था। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का ये दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब अमेरिका ने एच-1बी वीजा की फीस को बढ़ाने की घोषणा की है।

दोपहिया वाहनों के बीमा दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी, इलेक्ट्रिक बाइकों से सबसे ज्यादा खतरा

मुंबई। पॉलीसी बाजार की ताज़ा रिपोर्ट में दोपहिया वाहनों के इश्योरेंस वलेम को लेकर कई अहम



खुलासा हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में ऐसे दावों में 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। अगले वर्ष इसमें 10-12 फीसदी और इजाफा होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट बताती है कि 150 सीसी से 350 सीसी की मिड-रेंज मोटरसाइकिलों से जुड़े दावे सबसे ज्यादा बढ़े हैं, जबकि कम्यूटर बाइकों और स्कूटरों से जुड़े वलेम स्थिर रहे। शहरों में इन तेज और पावरफुल बाइकों की मांग दुर्घटनाओं के जोखिम को बढ़ा रही है। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों से जुड़े बीमा वलेम पेट्रोल बाइकों की तुलना में 18-20 फीसदी अधिक हैं। इसकी प्रमुख वजह बैटरी से जुड़ी समस्याएं और महंगे पुर्जों की मरम्मत कर रहा है। पंजाब अब बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य की वृद्धि पैदा करने वाले खर्चों पर ध्यान देने के बजाय, उधार लिए गए पैसे का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने में खर्च कर रहा है। ममतता बनर्जी की तुलना कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल की स्थिति भी अलग नहीं है। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, राज्य का कर्ज-जीएसडीपी अनुपात 33.7 प्रतिशत है, जो देश में सबसे ज्यादा में से एक है। पिछले दस साल में पश्चिम बंगाल का कर्ज बोझ तेजी से बढ़ा है। पंजाब की तरह, पश्चिम बंगाल भी उन 11 राज्यों में शामिल है जो उधार लिए गए पैसे को रोजमर्रा के खर्चों, जैसे वेतन, सब्सिडी और इशारात्मक लागत में खर्च कर रहे हैं, न कि ऐसी संपत्ति बनाने में जो भविष्य में उनकी वित्तीय स्थिति को सुधार सके। रिपोर्ट में कहा गया कि औसतन राज्यों का सार्वजनिक कर्ज उनकी राजस्व प्राप्ति/कुल गैर-कर्ज प्राप्ति का 150 प्रतिशत रहा है। इसी तरह सार्वजनिक कर्ज जीएसडीपी का 17-25 प्रतिशत के बीच रहा है

देश के बजट...

आम आदमी पार्टी द्वारा शासित पंजाब राज्य कई में सबसे ज्यादा ढ़बा है। पंजाब का कर्ज उसकी सालाना आर्थिक कमाई के लगभग आधे के बराबर है। यह समस्या नई नहीं है। पंजाब लंबे समय से कम राजस्व और बढ़ते खर्चों से जूझ रहा है। सीएजी रिपोर्ट ने पुष्टि की कि पंजाब की स्थिति खराब है। पहले से ही बेरोजगारी, खेती में संकट और उद्योगों के लिए कम मौकों का सामना कर रहे पंजाब के लिए इतना कर्ज विकास में निवेश की क्षमता को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। पंजाब अब बुनियादी ढांचे जैसे भविष्य की वृद्धि पैदा करने वाले खर्चों पर ध्यान देने के बजाय, उधार लिए गए पैसे का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने में खर्च कर रहा है। ममतता बनर्जी की तुलना कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल की स्थिति भी अलग नहीं है। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, राज्य का कर्ज-जीएसडीपी अनुपात 33.7 प्रतिशत है, जो देश में सबसे ज्यादा में से एक है। पिछले दस साल में पश्चिम बंगाल का कर्ज बोझ तेजी से बढ़ा है। पंजाब की तरह, पश्चिम बंगाल भी उन 11 राज्यों में शामिल है जो उधार लिए गए पैसे को रोजमर्रा के खर्चों, जैसे वेतन, सब्सिडी और इशारात्मक लागत में खर्च कर रहे हैं, न कि ऐसी संपत्ति बनाने में जो भविष्य में उनकी वित्तीय स्थिति को सुधार सके। रिपोर्ट में कहा गया कि औसतन राज्यों का सार्वजनिक कर्ज उनकी राजस्व प्राप्ति/कुल गैर-कर्ज प्राप्ति का 150 प्रतिशत रहा है। इसी तरह सार्वजनिक कर्ज जीएसडीपी का 17-25 प्रतिशत के बीच रहा है

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.69 अरब डॉलर बढ़कर 702.9 अरब डॉलर पर पहुंचा



नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, 12 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.69 अरब डॉलर बढ़कर 702.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.9 अरब डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर तक पहुंचा था। इस वर्ष सितंबर के दूसरे सप्ताह की इस वृद्धि के साथ, अब यह भंडार पिछले रिकॉर्ड से मात्र 2 अरब डॉलर कम रह गया है। आरबीआई के लेटेस्ट आंकड़ों से पता चलता है कि भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा,

विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.5 अरब डॉलर बढ़कर 587.04 अरब डॉलर हो गईं। इन परिसंपत्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी प्रमुख वैश्विक मुद्राएं शामिल हैं और इनका डॉलर मूल्य विनिमय दरों में बदलाव को भी दर्शाता है। इस सप्ताह स्वर्ण भंडार में तेज उछाल आया और यह 2.1 अरब डॉलर बढ़कर 92.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.73 अरब डॉलर हो गए, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित निधि 90 लाख डॉलर बढ़कर 4.76 अरब डॉलर हो गई।

विदेशी मुद्रा भंडार देश के लिए एक फाइनेंशियल सेफ्टी नेट का काम करता है, जिससे आरबीआई को रुपए में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए जरूरत पड़ने पर मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करने में मदद मिलती है।

केंद्रीय बैंक का कहना है कि इस तरह के हस्तक्षेप विनिमय दर को एक निश्चित स्तर पर स्थिर रखने के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक अनिश्चितता के समय में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए हैं। हाल के हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। 5 सितंबर को समाप्त सप्ताह में यह 4.03 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 698.26 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

जबकि इससे पिछले सप्ताह बीते महीने अगस्त के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.2 अरब डॉलर हो गया था। पिछले सप्ताह भी, केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से पता चला था कि विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गईं।

विश्लेषकों का कहना है कि रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब मजबूत रूप स्टॉक भारत को बाहरी झटकों से निपटने, रुपए को मजबूत करने और खासकर अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच वैश्विक निवेशकों को विश्वास दिलाने में मदद करेगा।

भारत-ओमान जल्द करेंगे सीईपीए समझौते पर हस्ताक्षर



नई दिल्ली। भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। भारत में ओमान के राजदूत इसा सालेह अब्दुल्ला अलशिबानी ने बताया कि बातचीत पूरी हो चुकी है और अब कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। यह समझौता व्यापार को ऊर्जा क्षेत्र से आगे बढ़ाकर विविध वस्तुओं और सेवाओं तक विस्तारित करेगा। भारत, ओमान से मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पाद और यूरिया का आयात करता है। 2024-25 में दोनों देशों के बीच व्यापार 10.61 अरब डॉलर रहा। ओमान में 6,000 से अधिक भारत-ओमान संयुक्त उद्यम कार्यरत हैं। सीईपीए से सीमा शुल्क में कटौती, सेवाओं के व्यापार में वृद्धि और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। यह समझौता भारत और खाड़ी देशों के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

और औसतन जीएसडीपी का 20 प्रतिशत रहा है। 2019-20 में जीएसडीपी का 21 प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 25 प्रतिशत होने का मुख्य कारण कोविड वर्ष में जीएसडीपी में कमी थी। 2020-21 से 2022-23 के बीच केंद्र सरकार के ऋणों में वृद्धि बैंक-टू-बैंक ऋणों, जीएसटी मुआवजा कमी और राज्यों को पूंजीगत खर्च के लिए विशेष सहायता के रूप में ऋणों के कारण थी। रिपोर्ट में एक और चिंताजनक बात सामने आई कि पंजाब, पश्चिम बंगाल और नगालैंड जैसे 11 राज्यों में 2022-23 के दौरान पूंजीगत खर्च उनके शुद्ध उधार से कम था। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश और पंजाब में पूंजीगत खर्च उनके शुद्ध उधार का क्रमशः केवल 17 प्रतिशत और 26 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि उधार लिया गया ज्यादातर पैसा घाटे को पूरा करने में गया, न कि नई संपत्ति बनाने में। भारतीय राज्यों का कर्ज पिछले पांच वर्षों में 74 प्रतिशत बढ़कर 8.3 लाख करोड़ रुपए हो गया है। तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र शीर्ष 10 स्थानों पर हैं। कर्ज-जीडीपी अनुपात में महाराष्ट्र सबसे कम 18 प्रतिशत पर है, जबकि पश्चिम बंगाल सबसे ज्यादा 39 प्रतिशत पर है। 2024 में सबसे ज्यादा कर्ज तमिलनाडु पर है। यह 8.3 लाख करोड़ रुपए है। उसके बाद उत्तर प्रदेश का नंबर आता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाले राज्य पर 7.7 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। महाराष्ट्र 7.2 लाख करोड़ रुपए के साथ तीसरे नंबर पर है। फिर पश्चिम बंगाल (6.6 लाख करोड़), कर्नाटक (6.0 लाख करोड़), राजस्थान (5.6 लाख करोड़), आंध्र प्रदेश

(4.9 लाख करोड़), गुजरात (4.7 लाख करोड़), केरल (4.3 लाख करोड़) और मध्य प्रदेश (4.2 लाख करोड़ रुपए) आते हैं। ये टॉप 10 राज्यों हैं जिन पर सबसे ज्यादा कर्ज है। पिछले पांच सालों में अलग-अलग राज्यों में कर्ज की बढ़ोतरी अलग-अलग रही है। मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 114 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। 2019 में मध्य प्रदेश का कर्ज 2 लाख करोड़ था, जो 2024 में बढ़कर 4.2 लाख करोड़ हो गया। कर्नाटक और तमिलनाडु में 109 प्रतिशत और 108 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। आंध्र प्रदेश का कर्ज 84 प्रतिशत बढ़ा, जबकि राजस्थान और केरल में 80 प्रतिशत और 76 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। महाराष्ट्र में कर्ज की रफ्तार अपेक्षाकृत कम 65 प्रतिशत रही, जबकि उत्तर प्रदेश में सबसे कम 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राज्यों के कर्ज के बोझ को अक्सर उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुपात में मापा जाता है। बड़े राज्यों में महाराष्ट्र का कर्ज-जीडीपी अनुपात सबसे कम 18 प्रतिशत है। उसके बाद कर्नाटक का 24 प्रतिशत है। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल का कर्ज-जीडीपी अनुपात सबसे ज्यादा 39 प्रतिशत है, उसके बाद केरल और राजस्थान का 37 प्रतिशत है। तमिलनाडु और मध्य प्रदेश का अनुपात 31 प्रतिशत है, जबकि आंध्र प्रदेश का 34 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश का कर्ज का बोझ उसके जीएसडीपी का 30 प्रतिशत है, जो अपेक्षाकृत कम है। महाराष्ट्र 40.44 लाख करोड़ रुपए के जीएसडीपी के साथ भारत का सबसे बड़ा आर्थिक केंद्र बना हुआ है। तमिलनाडु

27.22 लाख करोड़ रुपए के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि उत्तर प्रदेश 25.48 लाख करोड़ रुपए के साथ तीसरे स्थान पर है। कर्नाटक और पश्चिम बंगाल का जीएसडीपी 25.01 लाख करोड़ रुपए और 17.01 लाख करोड़ रुपए है। 2024 के लिए गुजरात के जीएसडीपी का डेटा उपलब्ध नहीं था। यह आंकड़े 2023-24 के हैं। यह चिंता का विषय है कि कई राज्यों का कर्ज उनके जीएसडीपी का एक बड़ा हिस्सा है। इससे उनकी विकास योजनाओं पर असर पड़ सकता है। राज्यों को अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने और राजस्व बढ़ाने के उपाय करने होंगे। तभी ये इस बढ़ते कर्ज के बोझ से निजात पा सकेंगे।

छात्र संघ...

खासकर सोशल साइंस डिपार्टमेंट जैसे वामपंथी गढ़ों में जीत यह दिखाती है कि छात्र अब वैचारिक दबाव से मुक्त होना चाहते हैं। सबसे चौकाने वाली बात यह रही कि कांग्रेस से जुड़ा एनएसयूआई इस बार नोटा से भी कम वोट ला सका। यह तब हुआ है जब राज्य में कांग्रेस की सरकार है। हालांकि, एनएसयूआई का एचसीयू में कमी भी बड़ा आधार नहीं रहा, लेकिन वामपंथी संगठनों के साथ मिलकर वह हमेशा चुनावी समीकरण का हिस्सा रहा है। एबीवीपी का कहना है कि संगठन ने कैपस में शांति बनाए रखने, एचसीयू की जमीन की रक्षा करने और छात्र हितों को लेकर लगातार आंदोलनों में भाग लिया है। यही वजह है कि छात्रों का भरोसा इस बार बड़े पैमाने पर

एबीवीपी के पक्ष में गया। एबीवीपी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, यह जीत एचसीयू के इतिहास में एक मील का पत्थर है, जिसने छात्र समुदाय के बीच एबीवीपी के प्रति बढ़ते विश्वास को साबित किया है। उल्लेखनीय है कि 19 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (इसू) चुनाव के परिणाम आए। इसमें भाजपा समर्थित छात्र संगठन एबीवीपी ने अध्यक्ष सहित तीन पदों पर बड़ी जीत हासिल की है। संगठन ने इसे युवाओं के बीच भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा है कि भारत के जेन जेड ने राहुल गांधी को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि इसू चुनावों में एबीवीपी की बंपर जीत ने यह बता दिया है कि भारत का युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है, राहुल गांधी के साथ नहीं। उन्होंने कहा कि अब राहुल गांधी को चोट चोरी जैसी बात नहीं करनी चाहिए।

एबीवीपी के आर्यन मान को इसू चुनाव में 26,642 वोट मिले, जबकि दूसरे नंबर पर रहे कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के जोसलीन चौधरी को 10,814 वोट मिले। यानि एबीवीपी उम्मीदवार को लगभग 16 हजार वोटों की बढ़त हासिल हुई है जो एनएसयूआई उम्मीदवार को मिले वोटों के लगभग ढाई गुने के बराबर है। इसी तरह सचिव पद पर एबीवीपी के उम्मीदवार ने एनएसयूआई उम्मीदवार को लगभग सात हजार वोटों के अंतर से और जवाहर सेक्रेटरी के पद पर लगभग चार हजार वोटों के अंतर से हराया।

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद, त्योहारों में होगी रिकॉर्ड बिक्री



नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद है कि इस साल त्योहारों का मौसम कंपनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा साबित होगा। जीएसटी में कटौती के बाद मांग में तेजी आने की संभावना है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत होंगे। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले पांच महीनों में बिक्री लगभग स्थिर रही, लेकिन नवरात्र और त्योहारों के दौरान अच्छी बुकिंग देखी जा रही है।

हीरो मोटोकॉर्प इस बार 12 नए उत्पाद पहली बार त्योहारों के मौके पर बाजार में ला रही है, जिससे कंपनी को दोहरा फायदा होने की उम्मीद है। मौजूदा उत्पादों के साथ-साथ नई पेशकशों की वजह से कंपनी उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करने की

दोपहिया बाजार में बरकरार रहेगा शीर्ष स्थान

उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक माहौल कंपनी के लिए उत्साहजनक है और इसे बढ़ावा देगा। वित्त वर्ष 2024-25 में हीरो मोटोकॉर्प ने दोपहिया वाहन बिक्री में 54,45,251 इकाइयों के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा है। मुख्य प्रतिस्पर्धी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री 47,89,283 रही। अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, हीरो लगभग दो लाख इकाइयों की बढ़त बनाए हुए है। हीरो मोटोकॉर्प 100 सीसी, 125 सीसी, स्कूटर और प्रीमियम सेगमेंट में विस्तार की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता बढ़ाने और हाल-डेविडसन के साथ साझेदारी जारी रखने की भी रणनीति है। साथ ही, प्रीमियम बिक्री आउटलेट (प्रीमिया स्टोर) की संख्या बढ़ाई जाएगी। वर्मा ने भरोसा जताया कि कंपनी 2025 में भी इस क्षेत्र में सबसे आगे रहेगी।

चांदी ने इस साल अब तक दिया 49 फीसदी का रिटर्न, सोना और शेयर बाजार पीछे

ईवी और सौर ऊर्जा सेक्टर की मांग, वैश्विक अनिश्चितता और कमजोर डॉलर ने चांदी पहुंची उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

इस वर्ष चांदी ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न देकर सोना और शेयर बाजार को पीछे छोड़ दिया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की कीमत 19 सितंबर 2025 तक 49.14 फीसदी बढ़कर 1,30,099 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष 87,233 रुपए प्रति किलोग्राम थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी, और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदों से आई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और स्वच्छ तकनीक क्षेत्रों से औद्योगिक मांग में तेज वृद्धि भी चांदी की कीमतों को बढ़ावा देने वाला मुख्य कारक रही। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनावों के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश ने भी चांदी को समर्थन दिया। इसके अलावा कमजोर रुपये ने घरेलू कीमतों



को और ऊपर पहुंचाया। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि चांदी एकमात्र ऐसी धातु है जिसमें बहुमूल्य और औद्योगिक दोनों गुण मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि चांदी कॉमेक्स पर 2012 के बाद पहली बार 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो सोना इस

साल अब तक 43.2 फीसदी बढ़ा है, जबकि बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में क्रमशः 5.74 और 7.1 फीसदी की वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि जोखिम क्षमता के अनुसार चांदी में निवेश अभी भी एक बेहतर विकल्प हो सकता है।



शारदीय नवरात्रि में हाथी होमा मां दुर्गा का वाहन

तृतीया तिथि तिथि दो दिन होने से 9 नहीं 10 दिनों की रहेगी शारदीय नवरात्रि

मां दुर्गा की पूजा का महा उत्सव शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू हो रहा है। 1 अक्टूबर को दुर्गा नवमी के साथ नवरात्रि का समापन होगा। इस बार ये पर्व 9 नहीं, 10 दिनों का होगा। ये अद्भुत संयोग लगभग 9 साल बाद बन रहा है। इससे पहले 2016 में भी नवरात्रि 10 दिनों की थी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि इस बार 9 की बजाय 10 दिन की शारदीय नवरात्रि होगी क्योंकि नवरात्रि की एक तिथि में वृद्धि होने के कारण शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होगी। सबसे खास बात यह है कि इस बार तृतीया तिथि की वृद्धि हुई है इस बार 24 और 25 सितंबर को तृतीया तिथि रहेगी। इस कारण शारदीय नवरात्रि का समापन 2 अक्टूबर को होगा और इसी दिन दशहरा भी मनाया जायेगा।

नवरात्रि में तृतीया तिथि रहेगी दो दिन

इस साल नवरात्रि की चतुर्थी तिथि दो दिन रहेगी, इस कारण देवी पूजा के लिए भक्तों को एक अतिरिक्त दिन मिलेगा और भक्त 10 दिनों तक नवरात्रि मना पाएंगे। पंचांग के अनुसार, 24 और 25 सितंबर को दोनों दिन तृतीया तिथि रहेगी। नवरात्रि की समाप्ति के बाद इस बार दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

देवी चंद्रघंटा की दो दिन होगी पूजा

तृतीया तिथि दो दिन होने से 24 और 25 सितंबर को मां दुर्गा के तृतीया स्वरूप चंद्रघंटा की पूजा दो दिन होगी। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करते हैं, इनमें शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री देवी शामिल हैं।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा

नवरात्रि की शुरुआत में मां दुर्गा के वाहन का विशेष महत्व रहता है। ये वाहन नवरात्रि के प्रारंभ होने वाले दिन (वार) पर निर्भर करता है। इस बार नवरात्रि की शुरुआत रविवार से हो रही है। जब नवरात्रि की शुरुआत रविवार या सोमवार को होती है, तो मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं। हाथी को सुख-समृद्धि, धन-धान्य और खुशहाली का प्रतीक है। ऐसे में हाथी पर सवार होकर मां दुर्गा के आने से देश और समाज के सुख-समृद्धि और उन्नति के योग बनेंगे। शनिवार या मंगलवार को नवरात्रि शुरू हो तो मां का वाहन अश्व (घोड़ा) पर, गुरुवार या शुक्रवार को डोली में और बुधवार को नौका से देवी का आगमन होता है। देवी के वाहनों के अलग-अलग फल बताए गए हैं।

नवरात्रि घटस्थापना मुहूर्त

अमृत मुहूर्त : सुबह 6.19 से 7.49 बजे तक

शुभ मुहूर्त : सुबह 9.14 से 10.49 बजे तक,

अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11.55 से 12.43 बजे तक रहेगा

कलश स्थापना

नवरात्रि में कलश स्थापना का विशेष महत्व है। कलश स्थापना को घट स्थापना भी कहा जाता है। नवरात्रि की शुरुआत घट स्थापना के

साथ ही होती है। घट स्थापना शक्ति की देवी का आह्वान है। मान्यता है कि गलत समय में घट स्थापना करने से देवी मां क्रोधित हो सकती हैं। रात के समय और अमावस्या के दिन घट स्थापित करने की मनाही है। घट स्थापना का सबसे शुभ समय प्रतिपदा का एक तिहाई भाग बीत जाने के बाद होता है। अगर किसी कारण वश आप उस समय कलश स्थापित न कर पाएं तो अभिजीत मुहूर्त में भी स्थापित कर सकते हैं। प्रत्येक दिन का आठवां मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त कहलाता है। सामान्यतः यह 40 मिनट का होता है। हालांकि इस बार घट स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त उपलब्ध नहीं है।

कलश स्थापना की सामग्री

मां दुर्गा को लाल रंग खास पसंद है इसलिए लाल रंग का ही आसन खरीदें। इसके अलावा कलश स्थापना के लिए मिट्टी का पात्र, जौ, मिट्टी, जल से भरा हुआ कलश, मौली, इलायची, लौंग, कपूर, रोली, साबुत सुपारी, साबुत चावल, सिंके, अशोक या आम के पांच पत्ते, नारियल, चुनरी, सिंदूर, फल-फूल, फूलों की माला और शृंगार पिटाड़ी भी चाहिए।

कलश स्थापना कैसे करें?

नवरात्रि के पहले दिन यानी कि प्रतिपदा को सुबह स्नान कर लें। मंदिर की साफ-सफाई करने के बाद सबसे पहले गणेश जी का नाम लें और फिर मां दुर्गा के नाम से अखंड ज्योत जलाएं। कलश स्थापना के लिए मिट्टी के पात्र में मिट्टी डालकर उसमें जौ के बीज बोएं। अब एक तांबे के लोटे पर रोली से स्वास्तिक बनाएं। लोटे के ऊपरी हिस्से में मौली बांधें। अब इस लोटे में पानी भरकर उसमें कुछ बूंदें गंगाजल की मिलाएं। फिर उसमें सवा रुपया, दूब, सुपारी, इत्र और अक्षत डालें। इसके बाद कलश में अशोक या आम के पांच पत्ते लगाएं। अब एक नारियल को लाल कपड़े से लपेटकर उसे मौली से बांध दें। फिर नारियल को कलश के ऊपर रख दें। अब इस कलश को मिट्टी के उस पात्र के ठीक बीचों बीच रख दें जिसमें आपने जौ बोएं हैं। कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि के नौ व्रतों को रखने का संकल्प लिया जाता है। आप चाहें तो कलश स्थापना के साथ ही माता के नाम की एक अखंड ज्योति भी जला सकते हैं।

शारदीय नवरात्रि तिथि

- 22 सितंबर, सोमवार : प्रतिपदा तिथि
- 23 सितंबर, मंगलवार : द्वितीया तिथि
- 24 सितंबर, बुधवार : तृतीया तिथि
- 25 सितंबर, गुरुवार : तृतीया तिथि
- 26 सितंबर, शुक्रवार : चतुर्थी तिथि
- 27 सितंबर, शनिवार : पंचमी तिथि
- 28 सितंबर, रविवार : षष्ठी तिथि
- 29 सितंबर, सोमवार : सप्तमी तिथि
- 30 सितंबर, मंगलवार : अष्टमी तिथि
- 01 अक्टूबर, बुधवार : नवमी तिथि
- 02 अक्टूबर, गुरुवार : दशहरा

माता दुर्गा को समर्पित 9 दिन बेहद कल्याणकारी

हिं दू पंचांग के अनुसार वर्ष में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है जो शरद, चैत्र, माघ और आषाढ़ के महीने में पड़ती हैं। शरद और चैत्र के महीने में पड़ने वाली नवरात्रि मां दुर्गा के भक्तों के लिए विशेष होती है वहीं माघ और आषाढ़ के महीने में पड़ने वाली नवरात्रि तांत्रिकों व अवधोरियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है जिसे गुप्त नवरात्रि कहते हैं। इन 9 दिनों में भक्त मां दुर्गा की भक्ति में लीन रहते हैं तथा दिन-रात उनकी उपासना करते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर्व अश्विनी शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार तृतीया तिथि 24 और 25 सितंबर दो दिन होने के कारण नवरात्रि पर्व 10 दिनों तक मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 21 सितंबर की अर्ध रात्रि 1.24 बजे से लगेगी, जो

पूजा करने से हिम्मत और शक्ति में वृद्धि होती है।

सप्तमी तिथि: - 29 सितंबर-इस दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है जो शनि ग्रह का प्रतीक हैं। मां कालरात्रि की पूजा करने से भक्तों में वीरता का संचार होता है। सप्तमी तिथि पर आपको रॉयल ब्लू रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

अष्टमी तिथि: - 30 सितंबर-अष्टमी तिथि पर महागौरी की पूजा करने का विधान है। इस दिन गुलाबी रंग का कपड़ा पहनना मंगलमय माना जाता है। माता महागौरी राहु ग्रह को नियंत्रित करती हैं और अपने भक्तों के जीवन से सभी नकारात्मक शक्तियों को दूर करती हैं।

नवमी तिथि: - 1 अक्टूबर - मां सिद्धिदात्री राहु ग्रह को प्रदर्शित करते हैं जिनकी पूजा करने से बुद्धिमत्ता और ज्ञान का संचार होता है। नवमी तिथि पर आपको पर्पल रंग का कपड़ा पहनना चाहिए।



कि दूसरे दिन 22 सितंबर की ब्रह्मवेला में प्रतिपदा तिथि तक रहेगी। अतः इस दिन ही शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी। वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता ज्यादा है। इस नवरात्रि माता भक्तों को दर्शन देने के लिए घोड़े में सवार होकर आ रही हैं। शक्ति का स्वरूप माने जाने वाली माता दुर्गा को समर्पित यह 9 दिन बेहद कल्याणकारी होते हैं। इन 9 दिनों में माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है और पूरे भारत में भक्ति और उल्लास का माहौल रहता है।

घटस्थापना तिथि: - 22 सितंबर - नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा होती है जो चंद्रमा का प्रतीक हैं। मां शैलपुत्री की पूजा करने से सभी बुरे प्रभाव और शगुन दूर होते हैं। इस दिन भक्तों को पीले रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

द्वितीया तिथि: - 23 सितंबर - मां दुर्गा का दूसरा स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी है और नवरात्रि के दूसरे दिन इनकी पूजा का विधान है। मां ब्रह्मचारिणी मंगल ग्रह को प्रदर्शित करती हैं और जो भक्त मां ब्रह्मचारिणी की पूजा सच्चे दिल से करता है उसके सभी दुख, दर्द और तकलीफें दूर हो जाती हैं। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करते समय हरे रंग के कपड़े पहनें।

तृतीया तिथि: - 24 - 25 सितंबर- नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा होती है जो शुक्र ग्रह को नियंत्रित करती हैं। इनकी पूजा करने से शक्ति का संचार होता है तथा हर तरह के भय दूर हो जाते हैं। मां चंद्रघंटा की पूजा में ग्रे रंग का कपड़ा पहनें।

चतुर्थी तिथि: - 26 सितंबर- शरद नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा का विधान है जो सूर्य देव को प्रदर्शित करती हैं। चतुर्थी तिथि पर संतरे रंग का कपड़ा पहनना शुभ माना जाता है। मां कूष्मांडा की पूजा करने से भविष्य में आने वाली सभी विपत्तियां दूर होती हैं।

पंचमी तिथि: - 27 सितंबर- बुध ग्रह को नियंत्रित करने वाली माता मां स्कंदमाता की पूजा शरद नवरात्रि के पांचवें दिन होती है। जो भक्त मां स्कंदमाता की पूजा करता है उसके ऊपर मां की विशेष कृपा बरसती है। पंचमी तिथि पर सफेद रंग का कपड़ा पहना अनुकूल माना जाता है।

षष्ठी तिथि: - 28 सितंबर-नवरात्रि की षष्ठी तिथि मां कात्यायनी को समर्पित है। इस दिन लाल कपड़े पहनकर मां कात्यायनी की पूजा करें जो बृहस्पति ग्रह को नियंत्रित करती हैं। मां कात्यायनी की

नवरात्रि में अलग-अलग प्रसाद से माता होगी प्रसन्न

न वरात्रि का पर्व देवी शक्ति मां दुर्गा की उपासना का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी शक्ति के नौ अलग-अलग रूप की पूजा-आराधना की जाती है। एक वर्ष में चार बार नवरात्र आते हैं चैत्र, आषाढ़, माघ और शारदीय नवरात्र। इनमें चैत्र और अश्विन यानि शारदीय नवरात्रि को ही मुख्य माना गया है। इसके अलावा आषाढ़ और माघ गुप्त नवरात्रि होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर्व अश्विनी शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार तृतीया तिथि 24 और 25 सितंबर दो दिन होने के कारण नवरात्रि पर्व 10 दिनों तक मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 21 सितंबर की अर्ध रात्रि 1.24 बजे से लगेगी, जो कि दूसरे दिन 22 सितंबर की ब्रह्मवेला में प्रतिपदा तिथि तक रहेगी। अतः इस दिन ही शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आर-ाधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था। ऐसे में माता के भक्त पूरे 9 दिनों तक माता की पूजा-अर्चना करके मां को प्रसन्न करना चाहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इन नौ दिनों में हर दिन माता को अलग-अलग चीजों का भोग लगाने का विधान बताया गया है।



नवरात्र की 9 देवियां अलग-अलग 9 शक्तियों का प्रतीक मानी जाती हैं। अगर आप भी इन नौ दिनों में माता को प्रसन्न करके अपनी हर मुराद झट से पूरी कर लेना चाहते हैं तो नवरात्रि में हर दिन के हिसाब से माता को लगाएं उनकी पसंद का भोग।

किस दिन किस माता को लगाया जाता है किस चीज का भोग।

पहला दिन- मां शैलपुत्री

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मां शैलपुत्री को आरोग्य की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति नवरात्रि के पहले दिन गाय के शुद्ध देसी घी का भोग माता को लगाता है तो मां शैलपुत्री की कृपा से व्यक्ति को निरोग और खुश रहने का वरदान मिलता है।

दूसरा दिन- मां ब्रह्मचारिणी

जो लोग मां ब्रह्मचारिणी से अपने लिए दीर्घायु

का वरदान चाहते हैं उन्हें नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को शकर का भोग लगाना चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी को शकर का भोग लगाने से माना जाता है कि व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

तीसरा दिन- मां चंद्रघंटा

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा को दूध और दूध से बनी चीजों का भोग लगाया जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन के हर दुख समाप्त जाते हैं।

चौथा दिन- मां कूष्मांडा

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कूष्मांडा को मालपुष्प का भोग लगाने की परंपरा है। ऐसा भी कहा जाता है कि



नीतिका शर्मा

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

इस दिन ब्राह्मणों को मालपुष्प खिलाने चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि का विकास होता है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

पांचवां दिन- मां स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा होती है। नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता को केले का भोग लगाया जाता है। स्कंदमाता की पूजा करने से आजीवन आरोग्य रहने का वरदान मिलता है।

छठां दिन- मां कात्यायनी

नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाने से आकर्षण का आशीर्वाद मिलता है।

सातवां दिन- मां कालरात्रि

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है। इस दिन माता को गुड़ का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि गुड़ का भोग लगाने से आकस्मिक संकट से रक्षा होती है।

आठवां दिन- मां महागौरी

नवरात्रि के आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। इस दिन लोग कन्या पूजन भी करते हैं। इस दिन महागौरी की पूजा करते समय माता को नारियल का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

नौवां दिन- मां सिद्धिदात्री

नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। इस दिन माता को तिल का भोग लगाते हैं। जिन लोगों को आकस्मिक मृत्यु का भय होता है वो मां सिद्धिदात्री की पूजा करते हैं।

इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात : बाँबी देओल



बॉ लीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हो चुकी है। इसमें

बाॅबी देओल एक सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका निभा रहे हैं।बाॅबी देओल और शाहरुख खान की दोस्ती बहुत पुरानी है।

सीरीज के प्रमोशन के दौरान बांबी देओल ने आईएनएस से अपनी १३ दशक पुरानी दोस्ती पर बात की। बांबी देओल ने आईएनएस से कहा, शाहरुख जिस तरह के इंसान हैं, यही वजह है कि आज वे इस मुकाम पर हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं और परिवार को लेकर बहुत सजग रहते हैं। मुझे यकीन है कि बस एक ही बात उन्हें आगे बढ़ने में दबद करती है, वह यह कि वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हर माता-पिता में यही समानता होती है। हालांकि इन ३० सालों में हम कभी एक-दूसरे के ज्यादा संपर्क में नहीं रहे, लेकिन जब भी हम मिलते हैं तब ऐसा नहीं लगता कि हम लंबे समय बाद मिल रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, हर बार शाहरुख आपको बहुत खास महसूस कराते हैं। वह हमेशा आपको प्यार और स्नेह देते हैं और ये बहुत मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। वह हमेशा अपनी सीमा से हटकर काम

करते हैं। वह सबसे अच्छे और दयालु इंसान हैं, भले ही वह इतने बड़े स्टार बन गए हों।

बाँबी देओल कहते हैं, उन्होंने वह गुण नहीं खोया। मुझे लगता है कि यह बात शो में मेरे सह-कलाकारों समेत सभी को जो उनसे प्रेरणा लेते हैं, ध्यान में रखनी चाहिए कि अपनी इंसानियत कभी न खोएं। मुझे लगता है कि शाहरुख के बारे में यही अविश्वसनीय और बेहतरीन बात है।

इससे पहले बाॅबी देओल ने कहा था कि इस सीरीज के लिए उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही हां कर दिया था। लेकिन इससे निदेशक आर्यन खान ने स्क्रिप्ट सुनने पर जोर दिया तो वह उनसे मिलने गए थे। यह मीटिंग 7 घंटे तक चली थी। इस दौरान उन्हें समय का पता ही नहीं चला। 'द बैड्डिज़ ऑफ बॉलीवुड' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। आर्यन खान ने बिलाल सइदी की ओर मानव कहान के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

सिनेमा की रंगीन दुनिया में आपका स्वागत है
अहान पांडे को अनुपम खेर ने दी शुभकामनाएं



बाँ लीवुड की दुनिया में हर साल नए चेहरे कदम रखते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो पहली ही फिल्म से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। ऐसा ही नाम है अहान

अपनाने की अद्भुत क्षमता है। बता दें कि फिल्म 'सैयारा' का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। फिल्म की कहानी कृष कपूर

**टॉलीवुड से बॉलीवुड तक: बर्थ डे गर्ल कृति शेटी के असली पारंपरिक
साउथ इंडियन लक्स् से पाएं ट्रेडिशनल स्टाइल इंस्पिरेशन**



ज हाँ कई अभिनेत्रियाँ शोहरत की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए अपनी क्षेत्रीय पहचान पीछे छोड़ देती हैं, वहीं कृति शेड्डी बिल्कुल इसके विपरीत कर रही हैं। बॉलीवुड की उभरती साउथ संसेशन, जो साउथ इंडियन सिनेमा और बॉलीवुड दोनों में धूम मचा रही हैं, उन्होंने अपनी जड़ों को ही अपनी सबसे बड़ी स्टाइल स्टेटमेंट बना चुकी हैं। पारंपरिक कांजीवरम साड़ियों से लेकर क्लासिक टेम्पल ज्वेलरी तक - उनका हर फैशन चुनाव उनकी सांस्कृतिक विरासत को एक खूबसूरत ट्रिब्यूट करता है। उनका पहनावा दक्षिण भारतीय शिल्प कोशल के लिए एक प्रेम पत्र की तरह है, जो साबित करता है कि प्रामाणिकता नैसर्गिकता का सबसे शक्तिशाली रूप है।

गोल्डन ऑवर गॉडस: कृति की कोरल पिंक कांजीवरम साड़ी, जिस पर बारीक सोने की ज़री का काम जो परंपरागत सौंदर्य दिखाया है। इस लुक वह बेहद शानदार लग रही है। भव्य एंब्रॉयडरी वाला ब्लाउज, पारंपरिक टेम्पल ज्वेलरी और माथे पर सजी सुंदर बिंदी - यह लुक किसी फैशन एंसाइक्लोपीडिया से निकला हुआ लगता है। उनका सॉफ्ट मेकअप और खुले बाल साड़ी की भव्यता को समुतल करते हैं। सुनहरी धूप में यह लुक उन्हें एक मॉडर्न साथथ इंडियन राजकुमारी जैसा रूप देता है।

सब कुछ नीले रंग में: चांदी के किनारों वाली कृति की टील ब्लू साड़ी निश्चित रूप से हमारी पसंद की एक साड़ी है। यह पारंपरिक दक्षिण भारतीय बुनाई के टाइमलेस आकर्षण को दर्शाती है। मॉडर्न चैटन वाला उनका ब्लाज़ ज़िज़ाइन क्षेत्रीय सौंदर्यशास्त्र के प्रति सच्चे रहते हुए एक पारंपरिकता और आधुनिकता का खूबसूरत संतुलन है। सफेद फूलों का हेयर एक्सेसरी और डार्क आई मेकअप इस लुक को और भी प्रभावशाली बनाते हैं। यह दिखाता है कि साथथ इंडियन फैशन पारंपरिक होते हुए भी आज के दौर से कदम से कदम मिला साड़िका है।

अर्थी एलीगेंसः कृति की चुनी हुई रस्त कलर की यह साड़ी, गोल्ड वर्क के साथ, दक्षिण भारतीय वस्त्र परंपराओं की गर्मजोशी और समृद्धि को दर्शाती है, साथ ही इसे मॉडर्न और स्टाइलिश भी बनाती है। स्लीवलेस ब्लाउज़ लुक को मॉडर्न बनाए रखता है, वहीं पारंपरिक आभूषण सांस्कृतिक मूल्यों को बरकरार रखते हैं।

का, जिन्होंने फिल्म 'सैयारा' से धमाकेदार एंट्री
इस फिल्म को देखने के बाद दर्शकों से लेकर
य इंटरस्ट्री के दिग्गज तक, सभी ने उनके अभिनय
सराहना की। अब खुद दिग्गज अभिनेता अनुपम
ने भी सोशल मीडिया के जरिए अहान पांडे को
कामनाएं दी हैं।

प्रनुपम खेर ने अहान के साथ एक प्यारी सी फ्री इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें दोनों बेहद हस्य नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ अनुपम ने कैप्शन में लिखा, 'यहां कोई उम्र का अंतर नहीं है ! सिनेमा की इस रंगीन दुनिया में अहान का जन्म गत है। इस रचनात्मक सफर के लिए ढेर सारी कामनाएं! जय हो!'

अनुपम खेर के इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर ध्यान खींचा। फैंस ने भी इस पर जमकर प्रतिक्रिया दी। किसी ने अहान को आने वाले समय में सुपरस्टार बताया, तो किसी ने अनुपम खेर की उम्र बढ़ाकर लिखा कि उनमें नई पीढ़ी को जगह देना चाहिए। बता दें कि फिल्म 'सैयारा' का रिलीज होने में कुछ दिनों की दूरी है। फिल्म की कहानी कुछ इस प्रकार है-

और वाणी बत्रा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे हुए रिश्तों से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

कृष, यानी अहान पांडे, एक ऐसा म्यूजिक कंपोजर है जो अपने जज्बातों को गानों में ढालता है। वहीं वाणी, यानी अनीत पट्टा, एक लेखिका है जो अपनी भावनाओं को कविताओं में पिरोती है। जब दोनों मिलते हैं, तो उनकी जिंदगी में नई उम्मीदें और एक अनकहा रिश्ता जन्म लेता है। फिल्म की कहानी में जहां रोमांस है, वहीं दर्द और संघर्ष भी है। अहान और अनीत के अलावा, वरुण बडोला, राजेश कुमार और अलाम खान जैसे अनुभव की कलाकार भी शामिल हैं। संगीत की बात करें तो 'सैयारा' का टाइटल ट्रैक पहले ही लोगों की जुबां पर चढ़ चुका है। मिथुन, तनिष्क बागची और सचेत-परंपरा जैसे म्यूजिक डायरेक्टर्स ने मिलकर फिल्म के गानों को एक यादगार अनुभव बना दिया है।

खुले बाल और कृति की मुस्कान इस पूरे लुक में चार चाँद लगा देती है, यह साबित करते हुए कि आत्मविश्वास सबसे बेहतरीन एक्सेसरी है।

रॉयल एंड रोडेएंट: कृति की सुनहरी पीली कांजीवरम साड़ी
दक्षिण भारतीय लकड़ी फैशन का शिखर प्रतीत होता है।
पारंपरिक वानुक्कला की पृष्ठभूमि के साथ, उनका यह लुक
एक फैशन व्याख्यान है कि कैसे विरासत के परिधानों को
अधिकतम प्रभाव के लिए स्टाइल
किया जाए। उनके भारी पारंपरिक
आभूषण और क्लासिक मेकअप
एक शाही रूप प्रदान करते हैं जो
दक्षिण भारतीय राजघरानों को
ट्रिब्यूट देता है। यह समृद्ध कपड़ा प्रकाश
को खूबसूरती से कपटता है, और जब
इसे जटिल मोतियाँ और ज़री के काम से
सजे पूरी बानू के ब्लॉउज के साथ जोड़ा
जाता है, तो यह एक दिव्य चमक पैदा
करता है जो दक्षिण भारतीय दुल्हन के
फैशन का पर्याय है।

मॉर्डन म्यूज: सच कहूँ तो... कृति का हाफ-अपड हेयरस्टाइल ही था जिसने हमारा सबसे पहले ध्यान जाता है उनके स्टाइलिश हेयरडू पर। लेकिन बारीक सुनहरे काम वाली चटक गुलाबी साड़ी का उनका चुनाव दक्षिण भारतीय फैशन के उस बोलूड रंगों को दर्शाता है जिसके लिए वे मशहूर हैं। समकालीन ड्रेपिंग स्टाइल और कम से कम गहनों का अंदाज़ यह साबित करता है कि पारंपरिक पहनावे को भी नए और आधुनिक तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। उनके चिकने बाल और सादगी भरा मेकअप साड़ी की कारीगरी को चार चाँद लगा देता है। यह लुक दर्शाता है कि कैसे दक्षिण भारतीय फैशन की संवेदनशीलता रोज़मर्रा के ग्लैमर में खूबसूरती से ढल सकती है। कृति शेड्डी के फैशन विकल्प सिर्फ़ स्टाइल स्टेटमेंट से कहीं ज़्यादा हैं। वे सांस्कृतिक पहचान की अभिव्यक्ति हैं। जब फिल्म इंडस्ट्री जहाँ एक कलाकारों के कपड़ों के चुनाव - चाहे पर्दे पर हों - दर्शकों के पीछे, हमेशा सवालनों के घेरे में रहते हैं, कृति की पसंदता है कि उन्हें क्या पहनना प्रयोग है और वे किसमें स महसूस करती हैं, साथ ही उनके प्रयोगधर्मी अंदाज़ का बेहतरीन मिश्रण है। लेकिन एक बात तो पक्की है: कांजीवरम सिल्क की समृद्धता से लेकर टेम्पल ज्वेलरी की बारीकियों तक, उनकी पसंद ने रीजनल फैशन को मेनस्ट्रीम में ला दिया है। जैसे-जैसे वह बॉलीवुड में उनकी चमक बढ़ती जा रही है, कृति यह साबित कर रही हैं कि अपनी जड़ों से जुड़ा रहना न सिर्फ़ फैशनेबल है, बल्कि एक क्रांतिकारी स्टाइल स्टेटमेंट भी।

नगमा मिराजकर ने की बिग बॉस कंटेस्टेंट
आवेज दरबार संग अपने रिश्ते पर खुलकर बात

हा ल ही में 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर हुई अभिनेत्री नगमा मिराजकर ने साथी कंटेस्टेंट आवेज दरबार के साथ अपने रिश्ते को लेकर खूब सुविधां बटोरी थीं। एक विशेष बातचीत में अपने रिश्ते और बिग बॉस हाउस में चल रहे लव एंग्स पर बात की। अपने और आवेज के रिश्ते पर बात करते हुए नगमा ने कहा, मैं आवेज दरबार को लंबे समय से जानती हूं और उनके बारे में कोई बात मुझसे छुपी

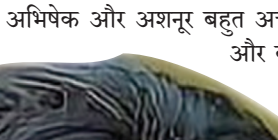


नहीं है। मुझे किसी को भी हमारे रसते के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। हम एक-दूसरे को जानते हैं और यही मायने रखता है।

शादी की प्लानिंग के बारे में बात करते हुए नगमा ने ने कहा, वह और आवेज जल्द ही शादी करने की योजना बना रहे हैं। मैं चाहती हूं कि वह बिग बॉस में अंत तक रहे और जीतकर वापस आए। उसके बाद इंशाअल्लाह, हम शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

नगमा को कुछ प्रोजेक्ट में इसलिए लिया गया कि वो आवेज दरबार को जानती हैं, इस पर नगमा बोलीं, मुझे लगता है कि ऐसा कहना अनुचित है। हमने एक-दो गानों पर साथ काम किया है, लेकिन यह दावा करना कि हमें कनेक्शन के जरिए

काम मिलता है, सही नहीं है। हर किसी को अपनी मेहनत और प्रतिभा से काम मिलता है। हमने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है और ईश्वर की दया से हम अपनी मेहनत से आगे बढ़ते रहेंगे।



'बिग बॉस 19' के घर में प्रेम संबंधों पर अपने विचार साझा करते हुए अभिनेत्री ने कहा, अभिषेक और अशनूर बहुत अच्छे दोस्त हैं। तान्या और अमाल के मीम्स और वीडियो ट्रेंड कर रहे हैं, लेकिन तान्या बहुत बेबाक हैं। अगर उन्हें कुछ महसूस होता है तो वो कह देती हैं। बसीर और फरहाना की बात करें तो बसीर ने खुद माना है कि वो उन्हें गुस्से पर काबू पाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अभी तक तो मुझे सिर्फ दोस्ती ही नजर आ रही है, प्रेम कहानियां नहीं।

नगमा ने कहा कि वह बाहर से ही आवेज दरबार को सपोर्ट कर रही हैं और चाहती हैं कि इस बार वह विनर बनें।



सीखने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया है। आज युवाओं के लिए अवसरों के नये क्षितिज खुल रहे हैं। हमारी सरकार इसके लिए पूरी ताकत के साथ काम कर रही है। स्किल युवाओं की सबसे बड़ी ताकत है। लगातार स्किल में बदलाव करना और कुछ नया सीखना सभ्य की मांग है। आपकी क्षमता ही आपको दूसरों से अलग बनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में युवाओं को आधुनिक रोजगारपरक विषयों का शिक्षण व प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने के लिए पलवल में श्री विश्वकर्मा कौशल विकास विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। 'हरियाणा कौशल विकास मिशन' के तहत 1 लाख 10 हजार युवाओं को कौशल प्रदान किया है, ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता का तेजस्वी यादव पर हमला, कहा— चुनाव से पहले ही हार मान चुके विपक्षी नेता

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार की सियासत में जुबानी जंग तेज होती जा रही है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के हालिया बयानों पर बिहार सरकार के पंचायत राज मंत्री और बीजेपी विधायक केदार प्रसाद गुप्ता ने कड़ा पलटवार किया है। मंत्री गुप्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव चुनाव से पहले ही हार मान चुके हैं, इसलिए मंच से अनाप-शनाप बोल रहे हैं और अपने समर्थकों से अपशब्द कहलवा रहे हैं।

बीजेपी विधायक केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बिहार और देश



की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के



बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी शांत क्रांति संघ कर्नाटक शाखा से गुरु दर्शन यात्रा संघ ने रविवार को हुब्बल्ली पहुंच कर मुनि नवीन प्रज्ञा जी के दर्शन किए। संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब के नेतृत्व में कार्याध्यक्ष धर्माचंद कांठेड, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र चोपड़ा, गौतमचंद गुगलिया सहित 70 सदस्यों ने बेंगलूर से हुब्बल्ली पहुंच कर मुनि के प्रवचन और ज्ञान चर्चा का लाभ लिया। इस प्रसंग पर अपने उद्बोधन में अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब ने कहा कि हुब्बल्ली में ही जन्मे मुनि नवीनप्रज्ञा जी अपनी साधना से जिनशासन को शोभित कर रहे हैं। उन्होंने मुनि जी से बेंगलूर पधारने की विनंती की। हुब्बल्ली संघ ने स्टेशन पहुंच कर बेंगलूर संघ की अगुवानी की और प्रवचन में संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब का स्वागत किया। मुनि नवीनप्रज्ञा जी ने बेंगलूर संघ की सराहना की और गुरु आज्ञा अनुसार आगे के विहार की बात कही।

बिहार में चुनावी युद्ध से पहले कानूनी जंग?

सम्राट ने दी धमकी, गालीकांड पर सार्वजनिक माफी की मांग

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में चुनावी जंग से पहले अब कानूनी जंग की शुरुआत हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मांग को अपमानित करने जैसे प्रसंग रूकने का नाम नहीं ले रहे। 'दरभंगा गालीकांड' पर अभी शोर थमा भी नहीं था कि वैशाली की सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सामने ही एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी की मांग को अपशब्द कहे गए। इस तरह से बार-बार महागठबंधन की ओर से अपमान की प्रवृत्ति के विरुद्ध बीजेपी अब लीगल एक्शन की ओर बढ़ गई है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपमानित करने के संदर्भ में कहा



कि महागठबंधन और लालू परिवार सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। दरभंगा की घटना की भी याद दिलाई। सम्राट चौधरी ने कहा कि ये तीसरी घटना है। इस बार तो तेजस्वी यादव के सामने ही गाली दी गई। मंच पर वे मौजूद थे जब पीएम की दिवंगत मां के लिए अपशब्द बोले गए। दरभंगा और वैशाली की घटना के लिए कांग्रेस

रोजगार, गरीबों व बुजुर्गों के लिए योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि हर वर्ग की जुबान पर पीएम मोदी और सीएम नीतीश का नाम है।

बीजेपी मंत्री ने विपक्ष पर परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस दोनों ही दल केवल अपने-अपने परिवार को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। गुप्ता ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी तेजस्वी यादव को 'सीएम मैटेरियल' मानने

को तैयार नहीं है और राजद के नेता कांग्रेस को खुश करने में ही उलझे हुए हैं।

गुप्ता ने कहा कि जनता केवल काम करने वालों को महत्व देती है और यही कारण है कि एनडीए के साथ खड़ी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष मंच से गाली देने की राजनीति से बाहर नहीं निकल पा रहा है। मंत्री ने विश्वास जताया कि परिवारवाद की राजनीति का अंत तय है और आने वाले समय में राजद और कांग्रेस, दोनों ही दल राजनीतिक हाशिए पर चले जाएंगे।

पटना में डेंगू के कहर से हाहाकार : 624 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, लार्वा रोधी अभियान तेज

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में डेंगू का प्रकोप और भी बढ़त हो गया है, इस साल अब तक 624 मामले सामने आ चुके हैं। आठ वार्डों में दो दर्जन इलाके हॉटस्पॉट बन गए हैं, जिसके चलते नगर निगम ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पाराशर ने बताया कि प्रभावित वार्डों में 10 समर्पित टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि निगम निवासियों को डेंगू, मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों से बचाने के लिए काम कर रहा है और स्वास्थ्य एवं कार्यकारी अधिकारियों को



अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

प्रत्येक वार्ड में लार्वा-रोधी छिड़काव के लिए पांच टीमें तैनात की गई हैं, और जलभराव की

सहायक हो सकता है। इसके साथ ही, निवासियों से आग्रह किया जा रहा है कि वे अपने घरों के आसपास पानी जमा न होने दें।

वर्तमान में, टीमें प्रतिदिन लगभग 18,000 घरों तक पहुंच रही हैं।

कुल मिलाकर, सभी 75 वार्डों के लिए दो-दो सदस्यों वाली 375 टीमें बनाई गई हैं। लार्वा-रोधी उपचार के लिए टेमेफोस और फॉगिंग के लिए मैलाथियान का उपयोग करते हुए, दो पालियों में फॉगिंग और छिड़काव किया जा रहा है। डेंगू के मरीजों के घरों के आसपास के इलाकों में, 500 मीटर के दायरे में बाहरी मशीनों

और अंदरूनी हाथ से चलने वाले उपकरणों, दोनों का इस्तेमाल करके फॉगिंग और छिड़काव किया जा रहा है। अस्पतालों में भी 25 कर्मियों की एक समर्पित टीम तैनात की गई है, जहां नियमित रूप से छिड़काव और फॉगिंग की जा रही है।

जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, लार्वा-रोधी टीमें प्रतिदिन 50 घरों से प्राप्त फीडबैक के साथ लॉगबुक बना रही हैं, जिनकी समीक्षा क्षेत्रीय और मुख्यालय दोनों स्तरों पर की जाती है। निवासी निगम के टोल-फ्री नंबर 155304 पर भी छिड़काव संबंधी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।



बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो। कामाक्षीपाल्या में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश की पूजा कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। अपने वक्तव्य में कहा धर्म एक विज्ञान है जो जीवन जीने की कला सिखाता है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बिहार का सरकारी अस्पताल बना जंग का मैदान डॉक्टर से मारपीट, मरीज ने कॉलर पकड़ दीं गालियां



नवादा (एजेंसियां)।

बिहार के नवादा जिले का एक सरकारी अस्पताल 'जंग का मैदान' बन गया।

इलाज कराने आए मरीज और डॉक्टर के बीच मारपीट हो गई। मामला रजौली अनुमंडल अस्पताल का है। यहां इलाज कराने पहुंचे एक मरीज को देखने में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर को थोड़ी देर क्या हुई, मरीज का गुस्सा फूट पड़ा।

मरीज ने डॉक्टर से न केवल बदमालूकी की, बल्कि कॉलर पकड़कर गाली-गलौज भी की। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर डॉक्टर को बचाया।

रजौली थाना क्षेत्र के अदल बिगहा गांव निवासी सुरेश यादव अपनी टूटी अंगुली का इलाज कराने अस्पताल पहुंचे थे। डॉ. अनुज कुमार उनकी जांच कर रहे थे।

जांच में थोड़ी देरी हो गई। तभी मरीज ने अचानक गुस्से में आकर उनका कॉलर पकड़ लिया और गालियां देने लगा। इस घटना का 9 सेकंड का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर रजौली थाने की टीम अस्पताल पहुंची और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। अस्प-

ताल में सुरक्षा गार्ड तैनात होने के बावजूद इस तरह की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डॉक्टर और अन्य कर्मियों ने सुरक्षा को लेकर नाराजगी जाहिर की है।

डॉ. अनुज कुमार ने बताया कि, 'थोड़ी से दर्द की वजह से मरीज ने इस तरह की हरकत की। घटना की लिखित शिकायत थाना में दी जाएगी।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।' उन्होंने बताया कि घटना के बावजूद इलाज का काम बाधित नहीं हुआ और जिस मरीज ने बदमालूकी की, उसी का इलाज कर उसे रेफर भी किया गया।

पटना (एजेंसियां)।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को नालंदा जिले के राजगीर में आयोजित 'बिहार बदलाव सभा' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर जमकर हमला बोला। पीटीजेएम कॉलेज मैदान में हजारों की संख्या में एकत्रित जनता के समक्ष किशोर ने कहा कि बिहार को अब सड़क-बिजली से आगे बढ़कर शिक्षा और रोजगार की गारंटी चाहिए।

अपनी 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत विभिन्न जिलों में जनसंपर्क कर रहे प्रशांत किशोर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राजगीर नीतीश कुमार का गृह जिला है और यहां की स्थिति दूसरे जिलों से निश्चित रूप से बेहतर है। सड़क और बिजली की स्थिति अच्छी है, लेकिन शिक्षा, रोजगार और भ्रष्टाचार जो बिहार की मूल समस्याएं हैं, वे नालंदा में भी उतनी ही गंभीर हैं जितनी



अन्य जिलों में।

राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार के 20 साल के शासनकाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि नीतीश कुमार को 20 साल का अवसर मिला है। जो उनसे बन पड़ा, वह उन्होंने किया। अब वे शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं। नालंदा की जनता को दिख रहा है कि आगे की तरक्की के लिए जन सुराज चाहिए, नई

व्यवस्था चाहिए। प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री के गृह जिले में भी शराबबंदी की असफलता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का गृह जिला होने का मतलब यह नहीं है कि यहां शराब नहीं बिक रहा। हर गांव, हर घर में शराब मिल रहा है। भ्रष्टाचार भी निश्चित रूप से उतना ही है जितना दूसरे जिलों में।

ऐतिहासिक नालंदा विश्वविद्यालय की भूमि राजगीर में

बोलते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि यह बिहार के गौरव की भूमि है। बिहार का सबसे गौरवशाली इतिहास नालंदा से जुड़ा है। जन सुराज का सपना है कि बिहार को फिर से ज्ञान की भूमि बनाया जाए और इस परिकल्पना में नालंदा की भूमिका सबसे बड़ी है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि अब सड़क-बिजली-पानी से ऊपर उठकर बच्चों की पढ़ाई और रोजगार के लिए वोट कीजिए। नई

व्यवस्था बनाइए और किसी भी हालत में लालटेन को वापस जलने मत दीजिए।

प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल पर भी तीखा हमला बोला। हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का कलम फेंकना उनके चरित्र को दिखाता है। हम बिहार के बच्चे कलम को सरस्वती मानते हैं, इसकी पूजा करते हैं। यह आदमी मां सरस्वती के स्वरूप कलम को हवा में फेंक रहा है। इस बार जनता इन्हें सबक सिखाएगी।

प्रशांत किशोर ने दावा किया कि वे राजगीर में पहली बार नहीं आए हैं और पहले भी नीतीश कुमार के साथ यहां आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि लोग समझ गए हैं कि बुनियादी ढांचे के विकास के बाद अब शिक्षा और रोजगार पर फोकस करना जरूरी है। सभा में उपस्थित जनता के बीच जन सुराज के नारे गुंजते रहे और लो-गों ने प्रशांत किशोर के भाषण का जोरदार स्वागत किया।